भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

भाद्रपद, पक्ष - कृष्ण, तिथि - द्वादशी, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, 20 अगस्त - 26 अगस्त, 2025, बुधवार वर्ष-11, अंक-25, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- jagrukjanta.net

स्वतंत्रता दिवस एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

जीवन में एक तरफ समय बोलता है तो दूसरी तरफ चलती है जुबान!

सटीक

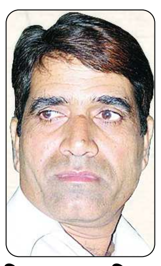

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

जीवन में हमें कई तरह की आवाजों से सामना करना पड़ता है। आवाजों का आशय समझ गए होंगे। समझने वाली बात यह है कि जब किसी के सामने कोई विपदा आती है तो आदमी कहता है कि सब समय की बात है। कभी कोई छोटी हैसियत रखने वाला बड़ी हैसियत के आदमी से बात करता है तो वह यही कहता है की समय की बात है। कभी बड़ी हैसियत का आदमी अपनी हैसियत खो देता है तो उसके मुंह से भी अनायास ही निकल जाता है कि सब समय की बात है। यानि की सब ओर समय का बोल बाला है। कोई अपने राजसी ठाट-बाट से हाथ धो बैठता है तो भी वह अपने समय को ही कोसता है। इसी तरह नाचीज इंसान को जब हैसियत-रुतबा प्राप्त हो जाता है तो वह भी अपने पिछले समय को याद कर अच्छे दिनों में यही कहता है कि भाई! सब समय की बात है। एक समय वो था, और एक समय ये है। समय में सब आ जाता हैॅ यूं तो हमारे इतिहास और शास्त्रों में समय की मार के बहुत से उदाहरण भरे पड़े हैं। राजा हरिश्चन्द्र को समय की मार में अपनी पत्नी और बच्चे को बेचना पड़ा। भगवान श्रीराम को राज्याभिषेक की तैयारियों के बीच वनवास जाना पड़ा। इसी तरह वर्तमान में राजनीतिक परिपेक्ष्य में देखा जा सकता है एक तरफ चाय बेचने वाला है तो दूसरी तरफ मुंह में चांदी की चम्मच लेकर पैदा होने वाला है। एक बात और है जो बहुत जरूरी है वह यह कि किसी की समय के अनुसार जुबान बोलने लग जाती है और किसी की चुप हो जाती है। समय के साथ किसी की नीयत बोलती है यानि कि बदल जाती है। जब जुबान चलने लगती है तो किसी का पैसा बोलने लग जाता है। पैसा बोलने लगता है तो फिर उसका दबदबा भी बोलना शुरू कर देता है। इन्हीं पगडंडियों में होकर जब हम जीवन के अंतिम पड़ाव की तरफ पहुंचने लगते हैं तो ऊपर वाले परमात्मा के दरबार में मनुष्य के कर्म बोलते हैं। वहां जुबान और समय का कोई चक्र नहीं होता।

shivdayalmishra@gmail.com

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण को मिल रहे नए आयाम

10 करोड़ पौधे लगाने का ऐतिहासिक लक्ष्य पूरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाए जाने के ऐतिहासिक लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री से वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान के तहत पोस्टर विमोचन किया तथा वन मंत्री ने मुख्यमंत्री को पौधा भी भेंट किया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर, हमारी सरकार ने राजस्थान को हरा-भरा बनाने का संकल्प किया है। इसके तहत राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के अंतर्गत 'हरियालो राजस्थान' का शुभारंभ किया था। हमारा लक्ष्य है कि पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण किया जाए। इस अभियान के तहत पौधों की जियो टैगिंग कर उनकी सुरक्षा एवं देखभाल सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गत वर्ष हमारा 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था जिसे पूरा कर हमने 7 करोड़ 50 लाख पौधे लगाए थे। उन्होंने कहा कि इस साल भी हमारा 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था और सभी के सामूहिक प्रयासों से हमने इस लक्ष्य को पार कर लिया है तथा अब तक 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

कोटा-बूंदी में बनेगा नया ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, 24 माह में होगा तैयार

कोटा @ जागरूक जनता। केंद्र सरकार ने कोटा-बूंदी में नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 1507 करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) के इस प्रस्ताव को हरी झंडी दिखाई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह हवाई अड्डा कोटा-बूंदी क्षेत्र में हवाई संपर्क को बेहतर करेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। इसका टर्मिनल भवन 20,000 वर्ग मीटर में फैला होगा, जो एक समय में 1000 यात्रियों को संभाल सकता है और सालाना 20 लाख यात्रियों की क्षमता रखता है। हवाई अड्डे में 3200 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रनवे (11/29) होगा, जो A-321 जैसे बड़े विमानों के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा, 7 पार्किंग बे, दो लिंक टैक्सीवे, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और टेक्निकल ब्लॉक, फायर स्टेशन, कार पार्किंग और अन्य जरूरी सुविधाएं भी होंगी।

एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। टीम की कमान सूर्यकुमार यादव संभालेंगे तो शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया है। एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। टूर्नामेंट की शुरुआत 9 सितंबर से हो रही है। एशिया के इस सबसे बड़े क्रिकेट इवेंट में भारतीय टीम 10 सितंबर से अपने अभियान का आगाज करेगी। टीम इंडिया 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। टी20 वर्ल्डकप 2024 की टीम से तुलना की जाए तो इस टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की जगह की भरपाई हुई है तो युजवेंद्र चहल और मोहम्मद सिराज को भी बाहर कर दिया गया है।

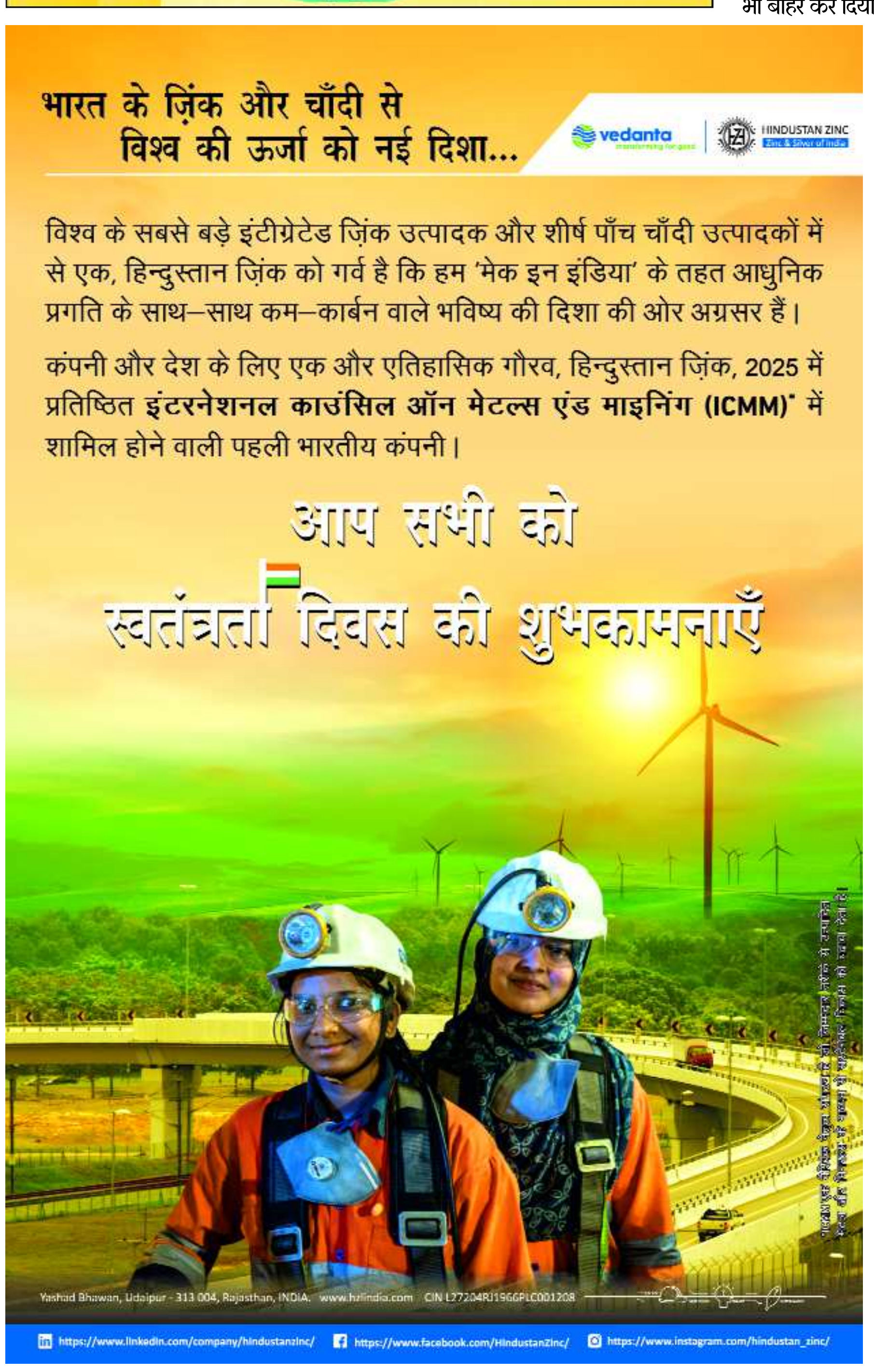

SCO समिट में शामिल होंगे पीएम मोदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच नई दिल्ली में हुई बैठक ने दोनों देशों के रिश्तों में एक नई उम्मीद जगाई है। इस बैठक में अजीत डोभाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए जल्द ही चीन का दौरा करेंगे, इसलिए आज की यह बातचीत बेहद खास है। चीनी विदेश मंत्री के साथ बातचीत के दौरान अजीत डोभाल ने कहा कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनी हुई है। उन्होंने कहा, "सीमाएं शांत हैं, शांति और सद्भाव कायम रहा है। हमारे द्विपक्षीय संबंध और भी मज़बूत हुए हैं।" उन्होंने पिछले साल कज़ान में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हुई मुलाकात को भी याद किया और कहा कि उस बैठक ने द्विपक्षीय संबंधों को एक नई दिशा दी है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति करने में मदद मिली है। वहीं, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भी डोभाल से मिलकर खुशी जाहिर की। वांग ने भी कज़ान बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि उस मुलाकात ने सीमा विवाद के उचित समाधान और द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए एक दिशा तय की थी।

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

बरकतुल्लाह खान स्टेडियम, जोधपुर में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन

स्वदेशी अपनाकर देश की प्रगति में बनें सक्रिय भागीदार - मुख्यमंत्री शर्मा

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत लिख रहा आत्मनिर्भरता की नई कहानी

हमारी डबल इंजन की सरकार समृद्ध और विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, खुशहाल और समृद्ध बना है, यहां हर व्यक्ति के पास तरक्की के भरपूर अवसर हैं। उनके नेतृत्व में आज भारत की न केवल दुनिया में साख बढ़ी है बल्कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अब देश आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। राज्य सरकार विकास और सुशासन के संकल्प पर कार्य करते हुए समृद्ध और विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी और स्वाधीनता के लिए जीवन भर पीड़ाएं-यातनाएं झेलने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने इस राष्ट्रीय पर्व पर बहादुर जवानों को स्मरण करते हुए कहा कि वे देश की सीमाओं पर दिन-रात मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य सेवाएं देने वाले सभी पुलिसकर्मियों और नागरिक संगठनों व समाजसेवी संस्थाओं को भी धन्यवाद दिया।

नया भारत करने में विश्वास रखता है

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक ताकत ही नहीं बल्कि सैन्य ताकत के रूप में भी उभरा है, जिसकी बानगी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के रूप में सारी दुनिया ने देखी है। ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि हमारे देश की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि अब सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है जिसका नेतृत्व ऐसे प्रधानमंत्री के हाथ में है जो कहने में नहीं, करने में विश्वास रखते हैं।

'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' के साथ अब जय अनुसंधान भी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बीते 11 वर्ष में ऐतिहासिक निर्णय एवं कार्य किए हैं। स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन के सपने पूरे हो रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत 140 करोड़ भारतीयों का सपना, दृढ़ निश्चय और एक जन आंदोलन है। इस सपने को साकार करने में सभी सरि य रूप से देश की प्रगति में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' से प्रेरणा लेते हुए हमें स्वदेशी उत्पादों को गर्व के साथ अपनाना है। 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' में अब जय अनुसंधान जोड़ने की आवश्यकता है। खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। आज, 'मेक इन इंडिया' के तहत हम स्वदेशी युद्धपोत, विमान और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियां बना रहे हैं।

जरूरतमंद वर्ग के उत्थान के लिए कर रहे काम

शर्मा ने कहा कि हम प्रदेश के वंचित और जरूरतमंद वर्ग के उत्थान के लिए काम कर रहे हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत बीपीएल परिवारों को गरीबी से बाहर लाया जा रहा है। युवाओं के लिए हमने 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख नौकरियां सृजित करने का संकल्प लिया है। 75 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र सौंपे जा चुके हैं। 1 लाख 68 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। 3 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम जरूरतमंद महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत 25 लाख रुपये तक के निशुल्क इलाज, लखपति दीदी के तहत 14 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण देकर 7 लाख 80 हजार लखपति दीदी एवं मा वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को निशुल्क सोनोग्राफी, लाडो प्रोत्साहन योजना में 2 लाख 30 हजार बालिकाओं को डेढ़ लाख रुपये का सेविंग बॉण्ड जैसी योजनाओं से आमजन को राहत दे रहे हैं।

प्रदेश को बनाएंगे जल में आत्मनिर्भर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को लेकर हम काम कर रहे हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौते पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। नवनेरा बैराज का कार्य पूर्ण हो गया है और यमुना जल समझौते के तहत टास्क फोर्स ने धरातल पर सर्वे का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत भामाशाहों एवं प्रवासी राजस्थानियों की मदद से हजारों जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन हरियालो राजस्थान में हम 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं और अब तक 15 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

5 साल में 53 हजार किलोमीटर सड़क नेटवर्क होगा तैयार

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 जारी की गई है, जो 2030 तक प्रदेश के अक्षय ऊर्जा उत्पादन को 125 गीगावाट के स्तर तक ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएगी। 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है और सभी किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 5 साल में 53 हजार किलोमीटर सड़क नेटवर्क तैयार करेगी। अटल पथ, रिंग रोड और ब्रिज निर्माण से सड़कों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार हो रहा है। ग्रामीण सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए 1300 गांवों को डामर सड़कों से जोड़ा गया एवं 6,330 किमी मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण किया गया है।

खनिज ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान का अभूतपूर्व प्रदर्शन

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने के संकल्प के क्रम में राज्य सरकार द्वारा आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्राप्त 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी में भी अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। संपूर्ण भारत में जहां प्रधान खनिज के 500 ब्लॉक ही आवंटित हुए, वहीं राजस्थान ने 100 से अधिक ब्लॉक आवंटित किए हैं।

सुशासन हमारे देश और प्रदेश की प्रगति की कुंजी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सुशासन के लिए कृत संकल्पित है। इसी क्रम में हमारी सरकार ने हाल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा आयोजित कर राज्य भर में शिविर लगाकर सरकारी विभागों से जुड़े काम किए और लाखों जरूरतमंदों को राहत पहुंचाई गई। शर्मा ने कहा कि किसान सम्मान निधि के तहत 76 लाख से अधिक किसानों को 6 हजार 845 करोड़ रुपये दिए गए। किसानों को 35 हजार 738 करोड़ का बिजली बिल अनुदान तथा 1 लाख 60 हजार कृषि कनेक्शन जारी किए गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का दायरा बढ़ाते हुए वर्ष 2024-25 में 3 करोड़ 73 लाख से अधिक पॉलिसी जारी कर 5 हजार 338 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।

जागरूक खबरें

वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 –आयोग ने जारी की संस्कृत विषय की मुख्य सूची

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत संस्कृत विषय के पदों हेतु पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षांतर्गत 7 मई 2025 को संस्कृत विषय के लिए जारी विचारित सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच उपरांत उक्त विषय के विज्ञापित पदों के विरुद्ध 79 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

त्योहारों को पर्यावरण अनुकूल तरीके से मनाने की अपील

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने शहरवासियों से अपील की है कि आगामी पावन पर्वो/त्योहारों को श्रद्धा और उल्लास के साथ पर्यावरण हितैषी तरीके से मनाएँ। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आमजन से अपील की है कि केवल कपड़े, कागज़ या अन्य प्राकृतिक सामग्री से बनी थैलों का ही प्रयोग करें, प्लास्टिक से बचें। प्रतिमा, प्राकृतिक मिट्टी एवं पर्यावरण अनुकूल रंगों से बनी प्रतिमाएँ स्थापित करें, प्लास्टर ऑफ पेरिस एवं रासायनिक रंगों से बनी प्रतिमाओं का प्रयोग न करें। सजावट थर्माकोल एवं प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े, कागज़, फूल एवं अन्य प्राकृतिक सजावट अपनाएँ। फूल-मालाएँ, कपड़े एवं पूजा सामग्री जल स्त्रोतों में न डालें। रीयूज़ेबल सामग्री (जैसे कपड़े आदि) को मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्रों में जमा कराएँ। उन्होंने बताया कि बायोडिग्रेडेबल सामग्री (जैसे फूल, पत्ते आदि) को घरेलू कंपोस्टिंग यूनिट में ही डालें, ताकि उनका उचित प्रबंधन और पुनः उपयोग हो सके। त्योहार आस्था के साथ-साथ स्वच्छ और हरित जयपुर के संकल्प का अवसर भी हैं। नागरिकों का सहयोग ही शहर की सुंदरता और स्वच्छता को बनाए रख सकता है।

राधारानी व जानकी पार्कों के निर्माण के लिए 20-20 लाख देने की घोषणा

गलता तीर्थ में गौशाला निर्माण के लिए महापौर ने किया भूमि पूजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। फिनोवा कैपिटल और जयपुर जिला प्रशासन के संयुक्त सहयोग से जयपुर के प्राचीन तीर्थस्थल गलताजी धाम परिसर में एक भव्य एवं आधुनिक गोशाला के निर्माण हेतु भूमि पूजन नगर निगम हेरिटेज जयपुर की महापौर श्रीमती कुसुम यादव ने किया।

इस अवसर पर महापौर ने कहा कि यह बहुत ही हर्ष का विषय गलता तीर्थ धाम परिसर में हमारी सांस्कृतिक एवं सामाजिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए जिला प्रशासन व फिनोवा कैपिटल संयुक्त रूप से निर्माण की जा रही गौशाला के लिए भूमि पूजन हुआ है। गौ-संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आरंभ की गई यह महत्वाकांक्षी पहल क्षेत्र में पशु कल्याण और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा देगी। नवनिर्मित गौशाला में गौ माता के संरक्षण हेतु अत्याधुनिक सुविधाएं सहित स्वच्छ जल एवं चारे की उचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर नगर निगम हेरिटेज जयपुर महापौर ने नगर निगम हेरिटेज की ओर से गलता तीर्थ परिसर मे 20-20 लाख रुपये की लागत से दो पार्क राधारानी व जानकी के निर्माण की घोषणा भी की है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर आशीष कुमार ने बताया कि जिला कलेक्टर जयपुर को जब से गलता तीर्थ का माननीय उच्च न्यायालय द्वारा प्रशासक नियुक्त किया गया है। तब से गलता तीर्थ परिसर को भव्य व सुव्यवस्थित करने का निरन्तर प्रयास जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। इस कड़ी में फिनोवा कैपिटल के सीएसआर मद करीब 12 लाख से 60-80 वर्ग फुट क्षेत्र भूमि पर गलता तीर्थ परिसर में रह रही 40 से 50 गौवंश के लिए सुव्यवस्थित भव्य व आधुनिक गौशाला का निर्माण किया जा रहा है। इस अवसर पर नगर निगम हेरिटेज जयपुर के अतिरिक्त आयुक्त सुरेन्द्र यादव, नगर निगम आदर्श नगर जयपुर के डीसी युगान्तर शर्मा, देवस्थान विभाग जयपुर के सहायक आयुक्त प्रथम रतन लाल योगी, देवस्थान विभाग जयपुर के सहायक आयुक्त द्वितीय महेन्द्र देवतवाल व फिनोवा कैपिटल के प्रतिनिधि अर्पित गुप्ता सहित श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने रेल मंत्री से किया आग्रह

जोधपुर-दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस की मांग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जोधपुर-दिल्ली रेल मार्ग के यात्रियों के लिए जल्द ही नई सौगात मिल सकती है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंटकर जोधपुर-दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू करने का प्रस्ताव रखा।

प्रस्ताव में यह विशेष आग्रह किया गया कि ट्रेन सुबह जल्दी जोधपुर से प्रस्थान करे और उसी दिन शाम को दिल्ली से वापसी की व्यवस्था हो, ताकि यात्रियों को एक ही दिन में आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके और समय की बचत हो। शेखावत द्वारा रखा गया यह सुझाव यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग के अनुरूप है। इसके लागू होने पर जोधपुर व जयपुर सहित अनेक जिलों को राजधानी दिल्ली से तेज, सुरक्षित और आधुनिक रेल संपर्क प्राप्त होगा। इससे न केवल आमजन के आवागमन में सुविधा होगी, बल्कि व्यापार, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी महत्वपूर्ण गति मिलेगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस सुझाव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए इस पर शीघ्र निर्णय लिया जाएगा। संभावना है कि निकट भविष्य में इस रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस की औपचारिक घोषणा की जा सकती है।

जागरूक खबरें

मुख्यमंत्रीने दीपिका आसनानी, सांख्यिकी निरीक्षक को योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किया

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में दीपिका आसनानी, सांख्यिकी निरीक्षक, मुख्यमंत्री कार्यालय को उत्कृष्ट कार्य एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

दिशा को बॉक्सिंग प्रतियोगिता में मिला गोल्ड

जयपुर @ जागरूक जनता। दिशा शर्मा ने सीबीएसई वेस्ट जोन बॉक्सर प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। घाट की गुणी में रहने वाली दिशा के पिता पवन कुमार शर्मा ने बताया कि दिशा बचपन से ही खेल प्रतियोगिता में भाग लेती रही है। जीडी स्कूल बिजोरियावास बहरोड में आयोजित हुई प्रतियोगिता में गोल्ड जीतने के बाद दिशा ने कोच राजू बॉक्सिंग को सफलता का श्रेय दिया। दिशा ने कहा कि स्कूल में कोच सौरव यादव के सानिध्य में मैंने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर : फ़ार्म पोंड की चर्चा पूरे देश में

36 पोंडों में 130 करोड़ लीटर वर्षा जल भंडारण क्षमता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों में वॉटरशेड आधारित 36 पोंड निर्मित किए गए हैं, जिनकी संयुक्त भंडारण क्षमता 130 करोड़ लीटर वर्षा जल है। यह उपलब्धि देश के किसी भी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किया गया पहला और अनूठा प्रयास है।

जल संरक्षण की नई दिशा

सभी इकाइयों में तैयार किए गए वॉटरशेड आधारित पोंड जल संसाधन प्रबंधन का एक सशक्त उदाहरण हैं। इन पोंडों ने न केवल जल संकट पर काबू पाया है, बल्कि दीर्घकालिक जल संरक्षण और कृषि स्थिरता की ठोस नींव भी रखी है।

दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम

इस सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह की दूरदर्शी सोच और नेतृत्व क्षमता को जाता है। उनकी पहल से, जहाँ कभी पानी की कमी से जूझता यह विश्वविद्यालय था, वहीं अब यह अनुसंधान, शिक्षा एवं कृषि उत्पादन के लिए स्थायी जल उपलब्धता वाला संस्थान बन चुका है। यह प्रयास किसानों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रेरणादायी मॉडल सिद्ध हो रहा है।

वैज्ञानिक आ रहे देखने के लिए फ़ार्म पोंड

नई दिल्ली से आए प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. बी. एस. तोमर, डॉ. साई दास एवं डॉ. एस. एस. डे ने नए एवं पुराने पोंडों का निरीक्षण किया। पोंडों की संरचना और जल भंडारण क्षमता देखकर कहा, "असली स्वर्ग तो यहाँ है।"

प्रदेश के लिए नई मिसाल

एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा वर्षा आधारित जल संचयन की यह अभिनव पहल प्रदेश के लिए नई मिसाल प्रस्तुत कर रही है। इससे अनुसंधान, शिक्षा और कृषि उत्पादन संबंधी गतिविधियों को नई गति और स्थायित्व मिल रहा है।

पड़ासोली फार्म पर पाँच नए वर्षा जल पोंड

राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा के अंतर्गत पड़ासोली फार्म पर हाल ही में पाँच नए वॉटरशेड आधारित वर्षा जल संरक्षण पोंड निर्मित किए गए हैं। इनमें से पहला पोंड लगभग 3 हेक्टेयर क्षेत्रफल का है, जबकि शेष चार पोंड लगभग 2-2 हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर बनाए गए हैं। यह पहल भी वैज्ञानिक जल प्रबंधन का एक दुर्लभ उदाहरण है, जो विश्वविद्यालय की जल संरक्षण प्रतिबद्धता को और मज़बूती प्रदान करती है।

बीज उत्पादन में सफलता

वर्तमान में विश्वविद्यालय के पास 36 फ़ार्म पोंड हैं, जिनमें से 15 पोंड केवल पिछले ढाई वर्षों में बनाए गए हैं। इस प्रयास से विश्वविद्यालय को जल संकट से राहत मिली और बीज उत्पादन में नई ऊर्जा प्राप्त हुई।

मार्च में शुरू होगा कार्डियक टॉवर, आयुष्मान टॉवर में होंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेशवासियों को आगामी समय में विश्व स्तरीय उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी। इसके लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में निर्माणाधीन आयुष्मान टॉवर के काम को गति दी जाएगी और हाई एण्ड सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसी प्रकार कार्डियक टॉवर का काम जल्द पूरा करते हुए इसे आगामी 30 मार्च से शुरू किया जाएगा। साथ ही, सवाई मानसिंह अस्पताल में आपातकालीन इकाई का विस्तार करते हुए इसे अत्याधुनिक बनाया जाएगा। इन कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए चिकित्सा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में हर माह समीक्षा बैठक होगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में इस संबंध में दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने आयुष्मान टॉवर, कार्डियक टॉवर एवं आपातकालीन इकाई के विस्तार कार्यों की गहन समीक्षा की और इन सभी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को जल्द पूर्ण किया जाए, लेकिन गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं हो। हमारा लक्ष्य इन सुविधाओं को सिर्फ जल्द शुरू करना ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश के लोगों को इनका पूरा लाभ मिले और इनका निर्माण हाई एण्ड टेक्नोलॉजी और सभी सुविधाओं के साथ हो। खींवसर ने कहा कि आयुष्मान टॉवर की प्लानिंग में रही खामियों को चिन्हित करने के बाद अब राज्य सरकार ने इसे पूर्ण करने के लिए आवश्यक वित्तीय प्रबंधन किया है। अधिकारी यह ध्यान रखें कि इसके कार्य में किसी तरह की कमी नहीं रहे। इसको विश्वस्तरीय रूप देने के लिए आवश्यकता के अनुसार विशेषज्ञों की राय एवं सेवाएं लें। इस भवन में स्वास्थ्य सुविधाओं का स्तर बनाए रखने के लिए हॉस्पिटल प्रबंधन पर विशेष रूप से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में किसी भी स्तर पर कोई बाधा या वित्तीय समस्याएं हो तो तुरंत अवगत कराएं। चिकित्सा मंत्री ने कार्डियक टावर के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इसके भवन का कार्य पूरा करने के साथ ही उपकरणों की खरीद एवं इंस्टॉलेशन का काम जल्द पूरा करें। जिससे आगामी 30 मार्च से इसे प्रारंभ किया जा सके।

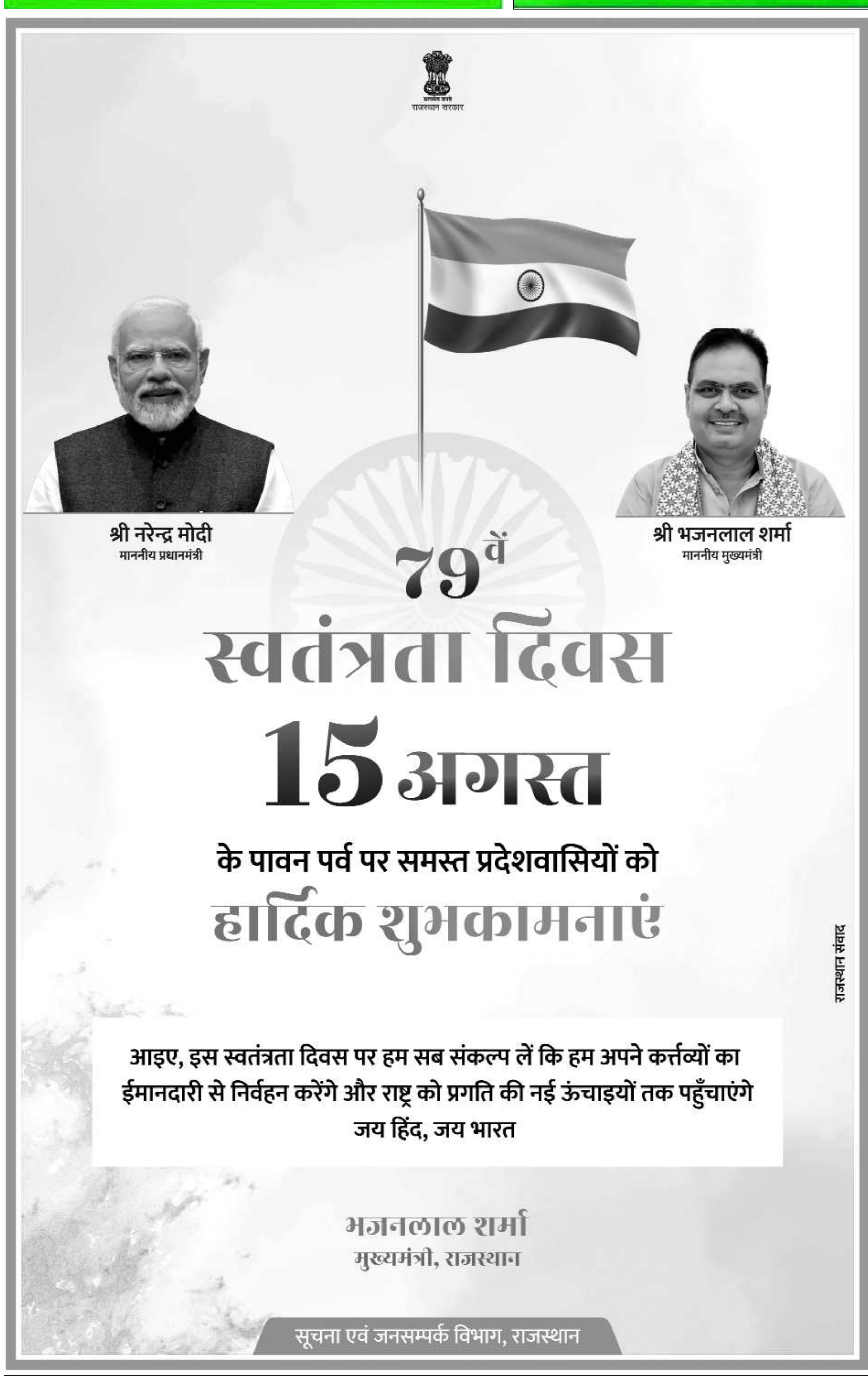

जमवारामगढ़ में ड्रोन से बारिश लाने की कोशिश पर ब्रेक, DGCA मंजूरी न मिलने से अटका देश का पहला ट्रायल

जयपुर @ जागरूक जनता। देश का पहला ड्रोन आधारित क्लाउड सीडिंग ट्रायल राजस्थान के जमवारामगढ़ बांध क्षेत्र में फिलहाल अटका हुआ है। कारण है नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (ष्ठत्रष्ट) की ओर से ऊंचाई पर ड्रोन उड़ाने की अनुमति नहीं मिलना। वर्तमान नियमों के अनुसार, ड्रोन को केवल 400 फीट तक उड़ाने की इजाजत है। जबकि इस ट्रायल के लिए 10,000 फीट तक ड्रोन उड़ाने की आवश्यकता है। राज्य के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने सोमवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू से मिलने का समय मांगा है। ताकि इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिल सके। मीणा ने बताया कि समय पर अनुमति नहीं मिली तो इस बार मॉनसून के दौरान ट्रायल करना मुश्किल हो जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि बरसात के मौसम में बादल आमतौर पर अपेक्षाकृत कम ऊंचाई पर बनते हैं। ऐसे में मंजूरी में देरी होने से प्रोजेक्ट का पूरा फायदा नहीं मिल पाएगा।

टेस्ट फ्लाइट की कोशिश की गई

जानकारी के अनुसार, 12 अगस्त को एक टेस्ट फ्लाइट की कोशिश की गई थी। लेकिन उसे बीच में ही रोकना पड़ा। अब विभाग की पूरी उम्मीद केंद्र सरकार से मिलने वाली अनुमति पर टिकी है।

किसानों के लिए वरदान

कृषि मंत्री का कहना है कि राजस्थान जैसे राज्य में जहां अक्सर सूखा और पानी की कमी रहती है, वहां क्लाउड सीडिंग जैसी तकनीक किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है। इस तकनीक से कृत्रिम बारिश कराई जा सकती है।

सम्पादकीय

तर्क से परे

दिल्ली-NCR में आवारा कुत्तों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का हालिया आदेश तर्क के परे है। अदालत ने एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल्स, 2023 को दरकिनार करते हुए कुत्तों को शेल्टर होम में रखने का आदेश दिया है। दिल्ली-NCR में stray dogs (आवारा कुत्तों) को लेकर सुप्रीम कोर्ट का हालिया आदेश नियमों के खिलाफ होने के साथ-साथ तर्क की कसौटी पर भी खरा नहीं उतरता। आवारा कुत्तों को लेकर शीर्ष अदालत की चिंता जायज है, लेकिन जो आदेश दिया गया है, वह समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

> **भारत में आवारा कुत्तों का मसला सार्वजनिक सुरक्षा और पशु कल्याण के बीच संतुलन बनाने से जुड़ा है। एक वर्ग है, जिसे इन जानवरों से परेशानी हो सकती है, लेकिन दूसरा वर्ग भी मौजूद है, जो इनकी केयर करता है और इन्हें खाना खिलाता है। किसी भी समाधान में इन दोनों नजरियों का खयाल रखना होगा।**

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने stray dogs की समस्या पर स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई की। इसमें सबसे अहम बात है कोर्ट का यह कहना कि फिलहाल नियमों को भूल जाइए। लेकिन, क्या ऐसा हो सकता है, और क्या अदालतें नियमों के परे जा सकती हैं? जिस नियम को भूलने की बात कही गई, वह है Animal Birth Control (ABC) Rules 2023। यह रूल कहता है कि stray dogs की नसबंदी कर और रैबीज का इंजेक्शन लगाकर फिर उसी जगह छोड़ा जाना चाहिए, जहां से उन्हें पकड़ा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे अलग जाकर कहा कि stray dogs को पकड़कर शेल्टर होम में रखा जाए। इसका मतलब हुआ उन्हें उनके मूल स्थान से हमेशा के लिए हटा देना। यह पशुओं के प्रति क्रूरता तो है ही, बेहद अव्यावहारिक भी है। केवल दिल्ली-NCR में ही लाखों stray dogs हैं, जिनकी सही गिनती तक आज किसी को नहीं पता। इन्हें किस तरह पकड़ा और एक जगह रखा जाएगा - इसके लिए संसाधन कहां से आएंगे? stray dogs अपना इलाका चिन्हित करके रखते हैं। अगर उन्हें नई जगह रखा गया, तो वे ज्यादा आक्रामक हो सकते हैं। आवारा कुत्तों की समस्या एकाएक नहीं आ गई और न ही यह केवल दिल्ली-NCR तक सीमित है। तमाम सुविधाओं, जागरूकता अभियानों के बावजूद भारत में हर साल रैबीज से लगभग 5,700 लोगों की मौत हो जाती है। सरकार ने 2030 तक इस आंकड़े को शून्य करने का लक्ष्य रखा है। लेकिन, इसे पाने में सबसे बड़ी बाधा है जमीनी स्तर पर काम करने वाली एजेंसियों का लापरवाह रवैया। ABC के मुताबिक अगर stray dogs की नसबंदी की जा रही होती, तो मुसीबत इस हद तक बढ़ती ही नहीं। यह भी एक फैक्ट है कि इन एजेंसियों के पास पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। भारत में आवारा कुत्तों का मसला सार्वजनिक सुरक्षा और पशु कल्याण के बीच संतुलन बनाने से जुड़ा है। एक वर्ग है, जिसे इन जानवरों से परेशानी हो सकती है, लेकिन दूसरा वर्ग भी मौजूद है, जो इनकी केयर करता है और इन्हें खाना खिलाता है। किसी भी समाधान में इन दोनों नजरियों का खयाल रखना होगा। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट से भी ज्यादा तार्किक आदेश की उम्मीद यह देश करता है।

नए सुधार आर्थिक वृद्धि को देंगे धार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नगेन्द्र वशिष्ठ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> **राजकोषीय मजबूती पर सरकार के ध्यान और व्यय की उच्च गुणवत्ता के बाद रेटिंग एजेंसी एसऐंडपी ग्लोबल ने 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भारत की सॉवरिन रेटिंग बढ़ा दी है। रेटिंग में सुधार से भारत निवेश के दृष्टिकोण से आकर्षक हो जाएगा विशेषकर, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ जाएगी। हालांकि, निकट अवधि में निवेश की दशा एवं दिशा अमेरिका के साथ व्यापार के मोर्चे पर जारी तनाव से प्रभावित होगी।**

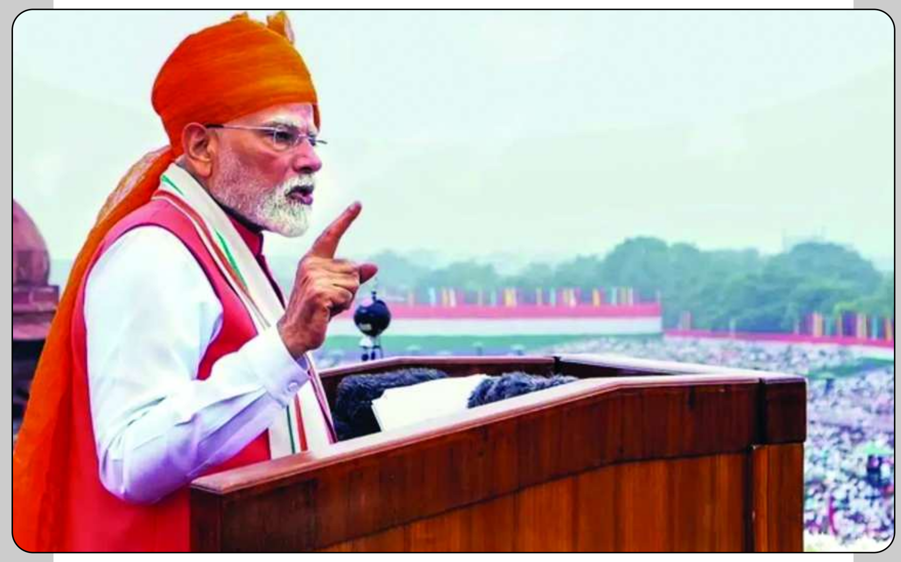

लाल किले के प्राचीर से राष्ट्र को लगातार 12वीं बार संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बड़ी घोषणाएं की हैं। इन घोषणाओं से न केवल देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी बल्कि, ये भारत को एक अधिक सुरक्षित राष्ट्र बनाने में भी मददगार होंगी। प्रधानमंत्री ने जो बड़ी घोषणाएं की हैं उनमें अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक कार्यबल का गठन करना भी शामिल है। यह कार्य बल एक निश्चित समय सीमा में आर्थिक गतिविधियों से संबंधित कानूनों, नियम-शर्तों एवं प्रक्रियाओं की समीक्षा करेगा। किंतु याद रहे कि पीएम मोदी ने पहले एक विनियमन आयोग की स्थापना की भी बात कही थी मगर इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हो पाई। नियम एवं दिशानिर्देशों की व्यापक समीक्षा से कारोबार संचालन में सुगमता काफी बढ़ सकती है। सरकार अब इस पर काम भी कर रही है और लगभग 40,000 से अधिक अनावश्यक प्रावधान और 1,500 से अधिक पुराने कानून निरस्त कर चुकी है। हालांकि, 21वीं शताब्दी की आवश्यकता के अनुरूप नियम एवं दिशा-निर्देशों को धार देने के लिए एक व्यापक समीक्षा की जरूरत है। इस प्रक्रिया में राज्यों को भी अवश्य साथ लिया जाना चाहिए।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में अगले चरण के सुधारों को लेकर भी बड़ी घोषणा हुई है। जीएसटी व्यवस्था में संभवतः ज्यादातर वस्तु एवं सेवाएं दो कर श्रेणियों (5 फीसदी और 18 फीसदी) में आ जाएंगी, जबकि हानिकारक वस्तुओं के लिए 40 फीसदी की एक अलग कर श्रेणी तैयार की जाएगी। यह कदम जीएसटी में कर संरचना सरल बना देगा और नियमों का अनुपालन भी मजबूत हो जाएगा। कुछ अन्य श्रेणियां वर्गीकरण एवं प्रक्रियात्मक विषयों से भी संबंधित होंगी। कर संरचना सरल बनाने और दरों को सुसंगत बनाने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी मगर जिस संरचना का प्रस्ताव दिया गया है उसमें राजस्व के आंकड़ों पर असर पड़ सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए राजस्व से जुड़े पहलुओं का बेहतर तरीके से प्रबंधन करना होगा। प्रधानमंत्री ने भारत की व्यापक आर्थिक स्थिरता का भी जिक्र किया, जो वर्ष 2014 से सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक रही है। कोविड महामारी के बाद राजकोषीय मजबूती पर सरकार के ध्यान और व्यय की उच्च गुणवत्ता के बाद रेटिंग एजेंसी एसऐंडपी ग्लोबल ने 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भारत की सॉवरिन रेटिंग बढ़ा दी है। रेटिंग में सुधार से भारत निवेश के दृष्टिकोण से आकर्षक हो जाएगा विशेषकर, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ जाएगी। हालांकि, निकट अवधि में निवेश की दशा एवं दिशा अमेरिका के साथ व्यापार के मोर्चे पर जारी तनाव से प्रभावित होगी। फिलहाल देश की आर्थिक वृद्धि के लिए व्यापार से जुड़ी अनिश्चितता सबसे बड़ा खतरा है। इसी संदर्भ में मोदी ने कहा है कि भारत अपने किसानों के हितों की रक्षा के साथ कभी समझौता नहीं करेगा। ऐसी खबरें आती रही हैं कि अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ता में कृषि क्षेत्र दोनों देशों के बीच असहमति की एक बड़ी वजह रही है। रूस से तेल आयात के लिए अमेरिका ने जब से भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात कही है तब से स्थिति और पेचीदा हो गई है। इसमें कोई शक नहीं कि भारत को अपने किसानों के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता है क्योंकि यह क्षेत्र देश की आधी आबादी के लिए जीविकोपार्जन का प्रमुख स्रोत है। मगर यह क्षेत्र अन्य देशों के साथ भी व्यापार वार्ताओं में विवाद का एक प्रमुख विषय रहा है। लिहाजा, सही संतुलन स्थापित करने के लिए स्थिति का मूल्यांकन बेहद आवश्यक है। यह माना जा रहा था कि ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी बात करेंगे। इस संबंध में उन्होंने 'मिशन सुदर्शन चक्र' की घोषणा की है। यह मिशन न केवल देश के लिए सुरक्षा आवरण तैयार कर हमले से रक्षा करेगा बल्कि पूरी ताकत के साथ दुश्मन के हमले का जवाब भी देगा। इस प्रणाली पर शोध और इसका विकास भारत में ही होगा। प्रधानमंत्री ने देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध घुसपैठ रोकने के लिए एक जनसांख्यिकीय अभियान शुरू करने का भी घोषणा की।

इस पर किसी तरह के बहस की गुंजाइश नहीं है कि पड़ोसी देशों से लोगों को अवैध रूप से भारत में घुसने और रहने नहीं देना चाहिए। किंतु, इस मिशन में इसका भी ख्याल रखा जाना चाहिए कि इन क्षेत्रों में रहने वाले गरीब एवं पिछड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े। कुल मिलाकर, भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य हासिल करने के लिए और तेज गति के साथ आगे बढ़ना होगा। वर्तमान में व्यापार से जुड़े विषय सुलझाना बड़ी प्राथमिकता है, वहीं जीएसटी सुधार एवं अगली पीढ़ी के व्यापाक सुधारों की घोषणाएं संभावित आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

हर दिन अपने अंदर कुछ खत्म तो नहीं हो रहा, महसूस हो तो सुनिए, जागिए

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

इंसान भी जरूरतों का पुतला है। कब, कहा, किसको, कैसे, कितने, क्यों में जरूरत हो जाए। कोई नहीं जानता। इन जरूरतों के जाल में इस कदर जकड़ा हुआ इंसान अपने अंदर ही अंदर कुछ ना कुछ हर रोज खत्म करता है। आखिर क्या है, जिसे हम महसूस ही नहीं कर पाते, और आहिस्ता-आहिस्ता उसे सह लेते हैं। हम सब जी रहे हैं। चल रहे हैं, काम कर रहे हैं, हंस रहे हैं, यात्राएं कर रहे हैं, पोस्ट लिख रहे हैं, लेकिन क्या हम सच में भीतर से ज़िंदा हैं? हर दिन सुबह उठते हैं और दुनिया की दौड़ में लग जाते हैं। कोई प्रमोशन के पीछे भाग रहा है, कोई रिश्तों में टिके रहने की कोशिश कर रहा है, कोई बच्चों के लिए बेहतर भविष्य की तैयारी में है- और इसी दौड़ में, हम धीरे-धीरे, चुपचाप कुछ खोते जा रहे हैं। खोना बाहर से दिखाई नहीं देता। पर भीतर बहुत कुछ हर रोज मरता है। कभी किसी सपने की सांसें टूटती हैं, कभी किसी रिश्ते का स्पर्श मरता है। कभी कोई आदर्श, जो हमें ऊंचा बनाता था, वह धीमे-धीमे बेमानी हो जाता है। और सबसे ज़्यादा कभी हमारा ही कोई टुकड़ा, जो बचपने की मासूमियत लिए हुए था, इस दुनियावी शोर में खो जाता है। सबसे दर्दनाक बात ये नहीं है कि हम भीतर से टूटते हैं। सबसे दर्दनाक ये है कि हम महसूस करना छोड़ देते हैं। धीरे-धीरे संवेदना की जगह रणनीति ले लेती है। सवालों की जगह तर्क आ जाते हैं। और फिर हम उन लोगों जैसे हो जाते हैं, जिन्हें देखकर कभी हमने कहा था-"मैं ऐसा नहीं बनूंगा" पाश की एक कविता की कुछ पंक्तियां याद आ रही हैं- सबसे ख़तरनाक होता है मुर्दा शांति से भर जाना/न होना तड़प का सब सहन कर जाना/घर से निकलना काम पर/ और काम से लौटकर घर जाना/सबसे ख़तरनाक होता है/हमारे सपनों का मर जाना कभी हमारे भीतर कविता मर जाती है, कभी प्रार्थना। कभी भरोसा, कभी लगाव, कभी कुछ कहने की साहस और हम सोचते हैं-"ये तो ज़िंदगी है, सब चलता है।"लेकिन हर 'चलता है' के साथ कुछ ऐसा भी 'चल' देता है, जो हमें ज़िंदा बनाए रखता था। ऐसा नहीं कि हम सब बुरे हो जाते हैं। पर हम इतने थक जाते हैं कि अच्छे बने रहना, महसूस करते रहना, खड़े रहना कठिन लगता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि हम कुछ कह नहीं पाते। कोई शिकायत भीतर ही दबा देते हैं, कोई दर्द अंदर ही चुपचाप बहा देते हैं। और उन अनकहे शब्दों की कब्र पर ही हमारा आत्मविश्वास धीरे-धीरे मिटने लगता है। हम इस टूटन को काम की व्यस्तता, ज़िम्मेदारियों, या परिपक्वता का नाम देकर स्वीकार करते जाते हैं। लेकिन कहीं न कहीं, भीतर एक कोना चुपचाप कहता है-"तुम वो नहीं रहे जो कभी थे।"

हमें यह जानना जरूरी है कि जो हर दिन भीतर मर रहा है- वह अगर बचाया न जाए, तो एक दिन हमारा ही स्वरूप खो जाएगा। क्या किया जाए? बहुत कठिन नहीं है। थोड़ा रुकिए। हर दिन कुछ मिनट अपने भीतर उतरिए। देखिए कि आज क्या मरा है आपके अंदर। क्या कोई इच्छा जिसे दबा दिया? क्या कोई शब्द जो नहीं कह सके? क्या कोई पुरानी सच्चाई जिसे झुठला दिया? अगर जवाब 'हां' है, तो आज ही उसे फिर से जीने का कोई छोटा-सा रास्ता खोजिए। शायद एक डायरी लिखिए, किसी अपने को फोन कीजिए, किसी बच्चे के साथ बिना कारण मुस्कराइए- क्योंकि ज़िंदगी उन ही छोटे-छोटे पलों में लौटती है। हम सबको मरना है ये तय है। लेकिन हर दिन थोड़ा-थोड़ा मरना ये हमारा चुनाव नहीं होना चाहिए। हमारा जीवन बस काम, ज़िम्मेदारी और सहने का दस्तावेज़ नहीं है। वह एक गीत भी है, एक चित्र भी, एक स्पर्श भी जिसे बार-बार गाया, रंगा और महसूस किया जाना चाहिए। इसलिए अगर आज कुछ भीतर मरा हो, तो कल उसे फिर से जगाने का संकल्प लीजिए। क्योंकि वही ज़िंदगी है जो भीतर से जगी हुई हो वरना बाकी तो सब केवल दिखावा है। हर कोई दिख रहा है, पर कोई जी भी रहा है क्या।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आखर आखर झरे उजियार

कम नहीं है उसकी कृपा !

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

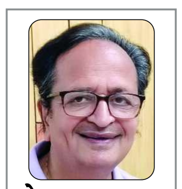

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

खुश रहना या नाखुश रहना हमारे नजरिए पर निर्भर है। प्रख्यात कवि हरिवंश राय बच्चन कहा करते थे, मन का हो तो अच्छा और मन का न हो तो और भी अच्छा। जिसका दृष्टिकोण स्पष्ट है वो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अनुकूलता के दर्शन कर लेते हैं। यानी ऐसे लोगों की सोच 'आल इज़ वेल' नजरिये पर आधारित हो जाती है। इस बार ऐसे ही दृष्टिकोण को प्रेरित करने वाली कहानी बता रहें हैं। एक संत थे अनाम देव ...लोग उनसे नाम पूछते। उनका जबाव होता, मेरा क्या नाम?सब नाम उसके हैं और सब धाम उसके है। वो अपना नाम बताते नहीं थे या फिर बताना नहीं चाहते थे। इसीलिए लोग उन्हें अनाम देव कह कर पुकारते थे।

वो हरि नाम संकीर्तन करते हुए पद यात्रा करते।किसी मन्दिर या किसी के यहां आश्रय मिलता तो वहीं प्रसादी पा लेते और विश्राम कर लेते।

एक बार वो किसी गाँव की बस्ती से गुजर रहे थे।उन्होंने किन्हीं घरों में ठहरने की अनुमति चाही। लोगों ने अनजान साधु समझ उसे ठहराने से इन्कार कर दिया। वह दूसरे गांव की ओर अग्रसर हुआ। दूसरा गांव दूर बसा हुआ था। उसे विवश होकर एक पेड़ के नीचे रात बिताने पड़ी। वह चुपचाप सो गया।

आधी रात को शीतल हवा चली। संत की नींद खुल गई। उसने देखा, एक खूबसूरत नज़ारा। पेड़ पर फूल खिले हुए हैं। पूर्णिमा की चांदनी चारों तरफ़ फैली हुई है। रातरानी की महक से वातावरण सुगन्धित है। ये सब देख उसे बड़ा सुकून मेहसूस हुआ। उसके आनन्द का ठिकाना नहीं रहा।वह प्राकृतिक सुषमा को निहारता रहा।

सुबह होते ही वह उस गांव में गया, जहां लोगों ने उसे ठहरने से मना कर दिया था। उसने उनको खूब धन्यवाद दिया। वो कहने लगे, किस बात का धन्यवाद ?

अनाम देव बोले, आप लोगों ने मेरे लिए द्वार बंद कर दिए, इसके लिये धन्यवाद। मैंने जीवन में पहली बार प्रकृति के अनुपम सौंदर्य को निहारा है। ऐसा पहले मैंने कभी नहीं देखा था। आप यदि रात ठहरने की अनुमति दे देते तो मैं प्रकृति के सुखमय साम्राज्य को देखने से वंचित रह जाता। अब मेरी समझ में आया कि कम नहीं है उसकी कृपा !

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

16. **मछली**- जैसे मछली कांटे में लगे हुए मांस के टुकड़े या आटे की गोली के लोभ से अपने प्राण गंवा देती है, वैसे ही स्वाद का लोभी दुर्बुद्धि मनुष्य भी जिव्हाके वश में होकर रोग आदि कष्ट भोगता है। जब तक कोई रसनेन्द्रिय को वश में नहीं कर लेता वह जितेन्द्रिय नहीं हो सकता।

17. **पिंगला वेश्या**- एक पिंगला नाम की वेश्या थी। एक रात वह धन के लोभ में किसी पुरुष को अपने रमण स्थान पर लाने की आशा में अर्धरात्रि तक बाट जोहती रही। जब कोई नहीं आया उसे बड़ी निराशा हुई, अंत में उसमें वैराग्य की भावना जाग्रत हुई। उसने दुःखी होकर जो गीत गाया उसका सार है- हाय! हाय! मैं इन्द्रियों के अधीन होकर मोह में पड़कर दुष्ट पुरुषों से विषय सुख की लालसा करती हूं। मेरे सच्चे स्वामी भगवान मेरे हृदय में ही विराजमान हैं फिर भी मैं जगत के पुरुष जो अनित्य हैं, उनसे आशा करती हूं जो मेरी कामना पूरी करना तो दूर उल्टे दुःख, भय, आधिव्याधि, शोक और मोह देते हैं। मैं इतनी मूर्ख हूं इसी निन्दनीय शरीर से धन और रति सुख चाहती हूं। मुझे धिक्कार है। यह शरीर एक घर है इसमें हड्डियों के टेढ़े तिरछे बांस और खंभे लगे हुए हैं। चमड़ी, केश, नाखूनों से यह छाया गया है। इसमें नौ दरवाजे हैं, जिनसे अपवित्र मल आदि निकलते ही रहते हैं। **क्रमशः**

ओपिनियन

हम सिर्फ सफल हो रहे हैं या सार्थक भी !

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

अ|**पिछले** कुछ वर्षों में अगर हम अपने आसपास नज़र डालें, तो साफ दिखता है कि बहुत से लोग पहले से अधिक सफल हो गए हैं। जिनके लिए कार केवल एक सपना थी, वे अब उसे खरीद चुके हैं। जो लोग अपने पसंदीदा साथी से शादी करना चाहते थे, वे अब लव मैरिज कर पा रहे हैं। उच्च शिक्षा के लिए बच्चे विदेश जा रहे हैं, शानदार डिग्रियां हासिल कर रहे हैं। हमारे मकान पहले से बेहतर हो गए हैं, बच्चों के स्कूल बेहतर सुविधाओं से लैस हो गए हैं।

पहली नज़र में लगता है, अधिकतर लोग वैसा जीवन जी रहे हैं, जैसा वे चाहते हैं। यहाँ पर देखने की बात यह हैं की अगर इतने लोग सफल हो चुके हैं, तो समाज को भी बेहतर होना चाहिए था। बेहोशी की निगाहों से देखने पर लगता है सब ठीक है, पर समझ की निगाहों से देखने पर पता चलता है कि यह संकीर्ण सफलता धरती, समाज और देश को एक ज्यादा संघर्षमयी जगह बना रही है। ठीक से देखने पर साफ दिखता है कि समाज में डर, तनाव, डिप्रेशन, चिड़चिड़ापन, नशे की लत और रिश्तों में दूरी बढ़ रही है। माता-पिता बच्चों से डरने लगे हैं, और बच्चे किसी के साथ हमेशा के लिए जुड़ने से। यह संकेत है कि सफलता हमें अकेले में घमंड तो दे पा रही है, पर आत्मविश्वास और संतुष्टि नहीं। अगर ध्यान से सोचें, तो हम पाएंगे कि हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में जो समझ है, जो सुविधाएं हैं, वे सिर्फ हमारे निजी प्रयास का परिणाम नहीं, बल्कि हज़ारों लोगों के योगदान का नतीजा हैं। किसी ने खेती का आविष्कार किया, किसी ने रोटी पकाने का तरीका खोजा, किसी ने कपड़ा बनाने की तकनीक दी, किसी ने बिजली बनाई, किसी ने बैटरी बनाई, किसी ने चश्मा बनाया, किसी ने इंटरनेट और मोबाइल दिए, किसी ने खुशियों की समझ दी, किसी ने बेहतर जीवन जीने का तरीका बताया, किसी ने प्रेरणादायी जीवन जीकर जीवन को आसान बनाया। इन खोजों, मेहनत और समझ ने हमारी जिंदगी आसान कर दी, और इनमें सभी जाति, धर्म, देश और समुदाय के लोग शामिल हैं। आप खुद सोचिए, आप जो कपड़े पहनते हैं, जिस घर में रहते हैं, जो खाना पकाते हैं, ये सब हज़ारों-लाखों लोगों की मेहनत और सोच का नतीजा हैं। हमारी बेहतर ज़िंदगी केवल हमारी नहीं है, चाहे हम कितना भी वितर्कपूर्ण, स्वार्थी और संकीर्ण होकर क्यों न सोचें।

हमारी सोच अक्सर इतनी निजी और छोटे वक्त तक सीमित रहने वाली हुआ करती है कि हम और हमारे आसपास के अधिकतर लोगों सफल हो रहे हैं पर दुनिया और भी हिंसक होती जा रही है। हमें भ्रम रहता है कि बस थोड़ा और सफल हो जाएं, एक कार और खरीद लूँ, एक देश और घूम लूँ, एक मकान और खरीद लूँ तो जीवन के प्रति आत्मविश्वास आ जाएगा, जबकि सच्चाई उससे कहीं ज्यादा सामान्य पर अनछुई है।

सच्चा आत्मविश्वास सफलता जैसी क्षणिक और सीमित चीज़ से नहीं, बल्कि सार्थकता से आता है। और सार्थकता का मतलब यह समझना कि हमारे जीवन को बेहतर बनाने में अनगिनत लोगों का योगदान रहा है और हमेशा रहेगा।

जब यह बात समझ में आती है, तो मन में एक स्वाभाविक सवाल उठता है, क्या मैं भी कुछ ऐसा कर सकता हूं जिससे दुनिया, समाज और मेरा परिवार और बेहतर जगह बन सके? क्या मैं ऐसा योगदान दे सकता हूं जिससे डर कम हो, रिश्तों में विश्वास बढ़े, कार्यस्थलों का माहौल बेहतर हो, आत्महत्या और डिप्रेशन जैसी समस्याएं घटें? यहीं से सार्थकता की शुरुआत होती है। सफलता अपने आप उसमें शामिल हो जाती है, जिसमे सही समझ के अनुसार कार, मोबाइल खरीदना, किसी जगह जाना सब शामिल हो जाता हैं।

असली सफलता यह है कि हर दिन आपको यह महसूस हो कि आपके होने का कोई अर्थ है। आप, अपने सामर्थ्य और जिम्मेदारी के साथ, इस दुनिया को अपने कार्य से, अपने विचारों से और अपने व्यवहार से बेहतर बना रहे हैं। जब हम इस गहराई को समझे बिना सिर्फ सफलता के पीछे भागते हैं। ऐसे में भले हम अपने संकीर्ण लक्ष्यों को पा लें, लेकिन अनजाने में समाज को और हिंसक, असुरक्षित और तनावपूर्ण बना देते हैं।

इसलिए जरूरी है कि हम ठहरकर सोचें, अगर आज हमारा जीवन पहले से बेहतर है, तो इसके पीछे किन-किन लोगों का योगदान है? क्या हम इतने अयोग्य हैं कि सिर्फ संकीर्ण, व्यक्तिगत सफलता के लिए जीएं? या फिर हम वह क्षमता अपने भीतर विकसित कर सकते हैं, जो हमें एक सार्थक, योगदान पूर्ण और संतोषजनक जीवन जीने की राह दिखाए?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

डूंगरी बांध प्राकृतिक परिस्थितीकीय तंत्र के लिए होगा अभिशाप!

हिमांशु मीणा
समाजविद्
@jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर-करौली जिले में बनने वाले डूंगरी बांध से आईएसटी फेज में 76 गांव प्रभावित हो रहे हैं। लेकिन हकीकत में इसमें 350 से ज्यादा गांवों की आबादी प्रभावित होगी। साथ ही राजस्थान के दो जिलों की सोना उगलने वाली उपजाऊ भूमि पानी के लिए कन्वर्ट हो जाएगी, जबकि इस क्षेत्र में सदियों से कभी भी पानी की समस्या नहीं रही है। इससे जुड़ी बनास नदी के किनारे (बेड्डा) करते हैं यानि की विभिन्न प्रकार की औषधीय पौधों का भंडारण करते हैं। जैसे खेड़ला (वाइल्ड पोटैटो), तलावाई (शतावरी), काला धतूरा, पीली करेली, तुलसी (ऑक्सिमम एण्ड एक्टम), नीम (अजादिराक्टा इंडिका), अश्वगंधा, बील, आकड़ा (ओऊ), बेर एवं बेरझडी, बबूल का गोंद बड़ी मात्रा में यहां उपलब्ध होता है, पोहा, राजस्थान के प्राकृतिक पेड़ जैसे खेजड़ी, खेजड़ा यहां बहुतायत से पाया जाता है। कैर, सेंगरी ड्राईवल्स आदि पाए जाते हैं जिनको खाने में काम लिया जाता है और इनका अचार भी बनता है। यहां जामुन एवं अमरूद बहुतायत में पैदा होते हैं जो कि स्वाद में अपना अलग ही स्थान रखते हैं। सब नष्ट प्रायः हो जाएंगे। यहां औषधीय वृक्ष नीम भी बहुतायत में पाए जाते हैं सब डूंगरी बांध में समाहित हो जाएंगे, जिसके कारण यहां हरियाली भी प्रभावित होगी और इस कारण से बरसात भी कभी कम या फिर बहुत ज्यादा होने लगेगी। बांध बनने से यहां के पशुओं जैसे गाय, भैंस, भेड़-बकरी के चारागाह समाप्त हो जाने से उनके अस्तित्व पर भी प्रभाव पड़ेगा और पशुपालकों की रोजी-रोटी भी छिन जाएगी। औषधीय पौधों से वंचित होने के साथ-साथ राजस्थान का जहाज कहलाने वाला पशु ऊंट, भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर, जो कि यहां हजारों की संख्या में रहते हैं, सब पर्यावरण की भेंट चढ़कर समाप्त हो जाएंगे। वहीं अभ्यारण के प्रभावित होने से बहुत सारे वन्य जीवों के साथ चीता जो कि भारत का राष्ट्रीय पशु है वह भी प्राकृतिक आवास से वंचित हो जाएगा। कुल मिलाकर उपरोक्त सारे परिस्थितियों को देखते हुए इस योजना पर पुनर्विचार करना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पंचांग

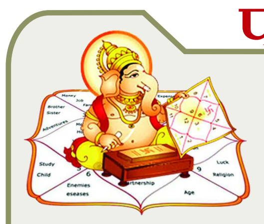

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 20/08/2025

सूर्योदय : 06:04 **सूर्यास्त :** 18:55 **चन्द्रोदय :** 02:41 **चन्द्रास्त :** 17:10 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 (कालयुक्त) **अमान्ता महीना :** श्रावण**पूर्णिमांत :** भाद्रपद **सूर्य राशि :** सिंह **चन्द्र राशि :** मिथुन **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** द्वादशी, 14:01 तक **वार :** बुधवार **द्रिक-वैदिक- वर्षा द्रिक-वैदिक अयन -** दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पुनर्वसु, 24:26 तक
योग : सिद्धि, 18:10 तक
प्रथम करण : तैतिल, 14:01 तक
द्वितीय करण : गारा, 25:20 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:25 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:47 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:35 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:56 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:56 पी एम से
अमृत काल	10:07 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:03 ए एम, अगस्त 21 से 12:46 ए एम, अगस्त 21

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : केतु
कुंभ चक्रः कण्ठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:03 - 07:40	उद्वेग : 18:54 - 20:18
अमृत	: 07:40 - 09:16	शुभ : 20:18 - 21:42
काल काल वेला	: 09:16 - 10:52	अमृत : 21:42 - 23:05
शुभ	: 10:52 - 12:29	चर : 23:05 - 00:29
रोग वार वेला	: 12:29 - 14:05	रोग : 00:29 - 01:53
उद्वेग	: 14:05 - 15:41	काल : 01:53 - 03:16
चर	: 15:41 - 17:18	लाभ : 03:16 - 04:40
लाभ	: 17:18 - 18:54	उद्वेग : 04:40 - 06:04

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वादशी

आज कौन सा कार्य करें

द्वादशी : यात्रादि को छोड़कर सभी धार्मिक शुभ कार्य किये जा सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, कृष्ण, द्वादशी, 2082 बुधवार, 20 अगस्त - 26 अगस्त, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

जैन सोशल ग्रुप का 300वां देहदान, विद्यार्थियों को मिलेगा अध्ययन और शोध का लाभ

एनआईए को मिला 36वां देहदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (NIA) को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। संस्थान को हाल ही में 36वां देहदान प्राप्त हुआ। यह देहदान शहर के समाजसेवी निर्मल पिपाड़ा ने अपनी पत्नी अरुणा जैन (आयु 67 वर्ष) का किया। उल्लेखनीय है कि यह देहदान जैन सोशल ग्रुप (JSG) सेंट्रल संस्थान की प्रेरणा और सहयोग से सम्पन्न हुआ तथा समूह का यह 300वां देहदान भी रहा। देहदान को लेकर आयोजित विशेष कार्यक्रम में संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि देहदान करना किसी भी व्यक्ति के लिए अत्यंत साहसिक और प्रेरणादायी कदम है। यह निर्णय आसान नहीं होता, लेकिन समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसका महत्व अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि मानव शरीर को समझे बिना चिकित्सा अधूरी है और चिकित्सा शिक्षा में देहदान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को देहदान के माध्यम से शरीर की अंग प्रणाली, संरचना और कार्यप्रणाली का गहन ज्ञान प्राप्त होता है। इसका सीधा लाभ सर्जरी और शोध कार्यों में होता है। प्रो. शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने देहदानों से प्राप्त शरीरों के अध्ययन के लिए विशेष संग्राहलय एवं अत्याधुनिक प्रयोगशाला (लैब) विकसित की है। यहां विद्यार्थी और शोधकर्ता व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त करते हैं। संस्थान की परंपरा के अनुसार, स्व. अरुणा जैन की स्मृति में बकुल पौधा रोपण भी किया गया। संस्थान के धन्वंतरि उपवन में संचालित महर्षि दधिची देहदान वाटिका में प्रत्येक देहदान की स्मृति स्वरूप पौधारोपण किया जाता है, जिसकी नियमित देखभाल भी की जाती है। संस्थान ने इस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्थान, कमल सचेती और सभी सदस्यों सहित स्व. अरुणा जैन के पति निर्मल पिपाड़ा का आभार व्यक्त किया। कुलपति ने कहा कि पिपाड़ा का यह निर्णय विद्यार्थियों के अध्ययन और अनुसंधान के लिए अमूल्य योगदान है। यह कदम समाज को भी प्रेरित करेगा कि अधिक से अधिक लोग देहदान जैसे महादान की ओर आगे आएं।

ऋषि पंचमी महोत्सव एवं नव कुंडीय महायज्ञ 28 को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ब्राह्मण समाज राजस्थान, जयपुर जिला देहात की बैठक सीताराम जी के मंदिर गढ़ परिसर में पं. अरुण कुमार शर्मा तथा पं. ईश्वर दास शर्मा के सानिध्य एवं जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 28 अगस्त को जयानराज जी के मंदिर परिसर में ऋषि पंचमी महोत्सव एवं नव कुंडीय महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में आचार्य पं. कैप्टन श्रीराम शर्मा तथा उपाचार्य पं. मनोज कुमार शर्मा 11 विद्वानों सहित नव कुंडीय महायज्ञ एवं सप्त ऋषियों की पूजा-अर्चना विधिविधान से संपन्न करवाएंगे। बैठक में डॉ. ओम प्रकाश शर्मा, डॉ. राम प्रकाश शर्मा, ओम प्रकाश रीडर, चंद्र प्रकाश शर्मा, सत्य प्रकाश पारीक, माखनलाल शर्मा, हरिओम शर्मा, एडवोकेट अजय कुमार शर्मा तथा गोपाल लाल शर्मा, दीपक शर्मा, शम्भु सहित अनेक पदाधिकारी व समाजबंधु उपस्थित थे।

श्री संत बाबा मेहर दास मंदिर का तीन दिवसीय पाटोत्सव कार्यक्रम का होगा आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

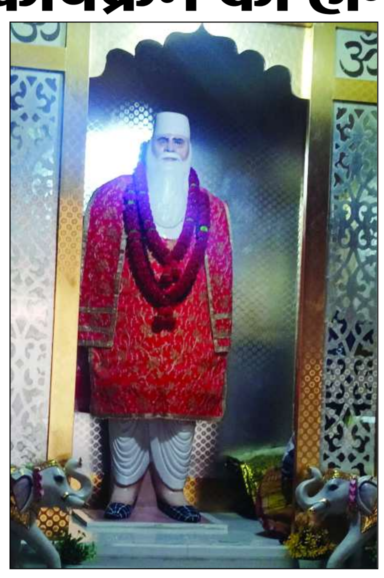

जयपुर। मुरलीपुरा स्कीम स्थित श्री संत बाबा मेहरदास मंदिर का छठा पाठ उत्सव 22 अगस्त से प्रारंभ होकर 24 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। तीन दिवसीय पाटोत्सव कार्यक्रम की जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष लोकचंद हरिरामानी ने बताया कि मंदिर की स्थापना आज से 6 वर्ष पूर्व अमेरिका में भारतीय प्रवासी श्रीलाल आर साधवानी ने करवाई थी। इस अवसर पर साधवानी पत्नी एवं परिवार सहित अमेरिका से जयपुर आते हैं। अभी हाल ही में इन्होंने मंदिर का विस्तार भी करवाया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष लोकचंद हरीरामानी ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार 22 अगस्त को मंदिर प्रांगण में प्रातः 9 से 11 बजे तक अखंडपाठ गुरु नानक पाठ होगा। मंदिर में आने वाले सभी भक्तों को नाश्ता के पैकेट दिए जाएंगे। शाम 4 बजे माता जी के मंदिर से कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसका समापन संत श्री मेहर दास मंदिर पर होगा। कार्यक्रम के अनुसार 23 अगस्त को मंदिर में प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक अखंड पाठ आयोजित किया जाएगा। इसके बाद गोयल मैरिज गार्डन में 4 बजे से संगीत एवं 8:30 बजे भोजन प्रसादी का आयोजन होगा। कार्यक्रम के अंतिम दिन 24 अगस्त को प्रातः 9 बजे से 1 तक पूर्ण आहुति कार्यक्रम मंदिर प्रांगण में आयोजित किया जाएगा उसके बाद 2 भंडारा प्रारम्भ हो जाएगा। कार्यक्रम में श्रीलाल आर साधवानी की पत्नी गीता साधवानी मुरलीधर आडवाणी, मुकेश आसनानी, शशि हरिरामानी नगेंद्र वशिष्ठ, शंकर लाल शर्मा, जीवन वासवानी, कन्हैयालाल लखानी, रमेशचंद्र करमचंदानी, महावीर सेन, दिनेश पारीक अपनी सेवाएं देंगे। वहीं दूसरी ओर महिलाओं में भूमिका कृपलानी एंड पार्टी, गीता साधवानी, कविता हरीरामानी, आशा हरिरामानी सहित अनेक गणमान्य महिला एवं पुरुष उपस्थित रहेंगे।

संकट मोचन हनुमान मंदिर में वैदिक मन्त्रों से किया श्रीकृष्ण का अभिषेक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर सेक्टर 5 स्थित संकट मोचन हनुमान और राधा गोविंद मंदिर में इस बार जन्माष्टमी महोत्सव पर वैदिक मन्त्रों की लय के मध्य विद्वान पंडितों द्वारा श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। इस उत्सव में आचार्य राजेश शास्त्री और समिति के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, हनुमान जाट सचिव, मदन गुप्ता कोषाध्यक्ष तथा कमलेश शर्मा संयुक्त सचिव संयोजक के नेतृत्व में दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ।महोत्सव में 79वें स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर देशभक्ति और भजन संध्या का आयोजन किया गया। आचार्य राजेश शास्त्री और टीकाराम उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में इतना उत्साह था कि लगातार 3 दिन तक व्यवस्था में जुटे रहे। सुंदर झांकी और सजावट कर संगीतमय सुंदरकांड और भजन संध्या के अतिरिक्त कृष्ण सुदामा चरित्र की सजीव और शानदार प्रस्तुति के बाद माखन हांडी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें ''गोविंदा आया'' भजन प्रस्तुत किया गया। अभिषेक आरती के साथ पंचामृत और प्रसाद वितरण किया गया। इसमें डॉ महेश्वरी बाबूलाल छीपा मुकेश सहरिया रमेश चौधरी अरुण अग्रवाल राजेंद्र खंडेलवाल कुंज बिहारी तांबी अनिल ढाणी वाला अशोक सहरिया काबरा पथ नंबर 6 द्वारा मावे का केक और माखन सेवा की गई। जबकि राधा मनीषा भाला रितु खंडेलवाल हंसा अग्रवाल ज्योति शर्मा सहित महिला मंडल ने बड़े उत्साह के साथ भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। इसमें विशेष अतिथि निधि शर्मा जुडिशल अधिकारी टोंक से अपनी विशेष कामना के साथ दर्शन करके महाराज का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पूरे सेक्टर के गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

ट्रॉमा सेंटर में उत्साह से मनाया 79वें स्वाधीनता समारोह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्र के 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सवाई मान सिंह चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर में 15 अगस्त को प्रातः काल 10.15 बजे ट्रॉमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ अनुराग धाकड़, राजस्थान मेडिकल काउंसिल के चेयरमैन एवं ट्रोमा सेंटर के उपाधीक्षक डॉ जगदीश मोदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के पश्चात राष्ट्र एवं दुर्घटना ग्रस्त रोगियों के प्रति सेवा एवं समर्पण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट सेवा देने वाले चिकित्साकर्मियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालो में वरिष्ठ आचार्य (एनेस्थीसिया) डॉ वंदना मंगल जो कि ट्रॉमा सेंटर के ऑपरेशन थियेटर प्रभारी भी हैं। सुरेश यादव जो सीनियर नर्सिंग ऑफ़िसर एवं इमरजेंसी आईसीयू के इंचार्ज हैं, डॉ अर्जुन मीणा के नाम उल्लेखनीय हैं। इसके अलावा ट्रॉमा सेंटर के लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, संविदा वार्ड बॉय, ट्रॉली मेन, सफ़ाई कर्मचारी एवं सुरक्षा गार्ड को भी सम्मानित किया गया।

हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री श्याम मित्र परिवार सेवा समिति एवं जांगिड़ विकास समिति, दादी का फाटक द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे जिनमें मुख्यतः भवानी सिंह राठौड़, लोकचंद हरिरामानी, नगेंद्र वशिष्ठ, कैलाश चंद जांगिड़ (आर.के.), छगनलाल शर्मा, शशि कुमार हरिरामानी, रतन सिंह जांगिड़, महेंद्र कुमार भोमिया एवं समिति के अन्य सदस्य एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

272 रक्त वीरों ने किया रक्तदान

स्व. इंद्रपाल चौधरी की पुण्यतिथि पर किया रक्तदान शिविर का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वतंत्रता दिवस एवं स्व. इंद्रपाल चौधरी की पंचम पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। रक्तदान शिविर के संयोजक जसवंत कुमार चौधरी ने बताया कि शिविर में 272 रक्तवीरों ने रक्तदान किया एवं 400 पेड़ो का वितरण किया गया। रक्तदान शिविर में प्रतापसिंह खाचरियावास, राजाराम मील, आलोक बेनीवाल, सुरेश चौधरी, विक्रम सिंह शेखावत, सुशील पारीक लोक चंद हरिरामानी, भवानी सिंह, नगेंद्र वशिष्ठ, शशिकुमार हरिरामानी, मोहन नामदेव, विद्याधर शर्मा समेत अनेक राजनैतिक, सामाजिक हस्तियाँ एवं स्थानीय विकास समितियां शामिल हुई। इस अवसर पर रक्तवीरों को प्रस्तिति पत्र, मेडल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

घायल गौ माता का किया उपचार, पहुंचाया गौशाला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। डिग्गी मालपुरा-मेगा हाईवे स्थित रिंग रोड़ चौराहे के पास रविवार रात्री को अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से गौ माता घायल हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त की गो माता के दोनो पैरो में फेक्चर हो गया, तेज मात्रा में बल्ड निकलता देख स्थानीय निवासी व गो-भक्त मौके पर पहुंचे। स्थानीय निवासी दिनेश बागड़ा ने बताया कि घटना रविवार की रात्री के करीब 11 बजे की है, मेगा हाईवे स्थित रिंग रोड़ चौराहे पर तेज स्पीड़ में आ रही कार ने सड़क किनारे खड़ी गौमाता को टक्कर मार दी, टक्कर की आवाज आने पर प्रत्यक्षदर्शी मौके पर पहुंचे तो वाहन चालक फरार हो गया। इसके बाद तुरंत प्रभाव से समाजसेवी व डाक्टर जितेन्द्र शर्मा के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया वही गोरक्षार्थ एवं गौसेवा के लिए पिछले कई वर्षो से कार्य रहे गौ -प्रेमी अनिल मेहरा व उनके दल बगरू गौ-रक्षा दल की मदद से रेस्क्यु किया जाकर बगरू स्थित गोशाला में उपचार के लिया ले जाया गया। गो प्रेमियों ने बगरू गो-रक्षा दल का आभार जताया।

खवारानीजी निवासी अशोक कुमार इन्कम टैक्स एम्पलाइज फैडरेशन, राजस्थान सर्किल डेलीगेट सदस्य पद पर विजय

जमवारामगढ़ @ जागरूक जनता। इन्कम टैक्स एम्पलाइज फैडरेशन, राजस्थान सर्किल डेलीगेट सदस्य पद हेतु हुए चुनाव में खवारानीजी निवासी

अशोक कुमार शर्मा इन्कम टैक्स एम्प्लाइज फेडरेशन राजस्थान सर्किल डेलीगेट सदस्य में विजय घोषित हुए। शर्मा के चुनाव जीतने की खुशी में गांव खवारानीजी में उनके समर्थकों ने आतिशबाजी करते हुए मिठाई बांटी एवं खुशी का इजहार किया। उपसरपंच मुकेश कुम्हार, सूरज कुम्हार, खवारानीजी सरपंच शान्ति देवी बजरंग लाल गील उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के मंडल प्रवक्ता महेश शर्मा खवारानीजी मुकेश शर्मा रमेश कुलचानिया सीताराम रामअवतार ओजट रवि विकास राजेश महेंद्र कानाराम ओजट मुकेश मीणा ने खुशी जताई। उल्लेखनीय की इस चुनाव में कुल आठ सदस्य चुनाव मैदान में थे जिनमें से सर्वाधिक चार उम्मीदवारों को विजेता घोषित किया गया है।

'योगीराज' पंचतत्व में विलीन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विधांधर नगर कृष्णा कॉलोंनी नया खेड़ा स्थित श्री मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम के महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 योगीराज श्री महंत रघुवीर दास महाराज अखिल भारतीय पंच तेरह भाई त्यागी खाक चोक अयोध्या धाम हुए पंचतत्व विलीन हुए। गाजे बाजे पुष्पवर्षा के साथ कॉलोंनी मे शोभायात्रा बेकुण्डी निकाली गई। आश्रम में गोकाष्ठ से दाहसंस्कार किया गया। श्रद्धांजलि सभा बुधवार दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक आश्रम में आयोजित होगी। मन्दिर उत्तराधिकारी महंत रामानंद दास महाराज व रामलोचन दास महाराज पुजारी ने मुखाग्नि दी। विश्व हिंदू परिषद जयपुर महानगर के पूर्व प्रवक्ता मुकुल सिंह साँचोरा व सभी कॉलोंनी वासियों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

यों तो पीढ़ियों के बीच की सोच का फर्क हर दौर में रिश्तों के बीच दूरियों की वजह बनता रहा है, लेकिन आज ये दूरियां और फर्क कुछ ज्यादा दिखने लगा है। एक ओर वह पीढ़ी है, जिसने टाइपराइटर पर काम किया या काम होते हुए देखा है तो दूसरी तरफ वह जेनरेशन है, जो अपने बहुत काम वाईस-कमांड पर ही कर देती है। कल 21 अगस्त को वर्ल्ड सीनियर सिटिजन्स डे है। इस मौके पर जागरूक जनता के साथ जानते हैं कि सीनियर सिटिजन्स नई पीढ़ी के साथ तालमेल कैसे बनाए रख सकते हैं और नई पीढ़ी उनके साथ कैसे मेलजोल रखे और उनसे सीखे।

कल हम तुम्हारे जैसे थे

वर्ल्ड सीनियर सिटिजंस डे (21 अगस्त, गुरुवार) पर विशेष

इसलिए बढ़ती हैं दूरियां

नई पीढ़ी तो बेकार है, वाली सोचः अक्सर यह शिकायत होती है कि पोता-पोती या नाती-नातिन हमारी बात नही सुनते, अपनी धुन में रहते है। कैसे कपड़े पहनते है, अजीब-सा हेयरस्टाइल रखते है, रात को देर तक मोबाइल फोन चलाते हैं, सुबह देर से जागते हैं। पढ़ाई-लिखाई में उतना ध्यान नही देते जितना हम अपने स्कूली दिनों में देते थे। घर के कामों में मदद कम करते हैं। परिवार के साथ बैठने से ज्यादा वे दोस्तों या ऑनलाइन गेम में समय बिताते है। धीरे-धीरे ये बातें मन में एक धारणा बना देती है कि ये नई पीढ़ी ही बेकार है। बड़ों का सम्मान नही करती, जिम्मेदारी नही समझती। यही सोच और लगातार की जाने वाली शिकायतें, अनजाने में सीनियर सिटिजंस और बच्चों के बीच दीवार खड़ी करने लगती हैं। हम जितना उन्हें 'गलत' ठहराते है, वे उतना ही बड़ों की बातों से बचने लगते है। नतीजा यह होता है कि बातचीत कम हो जाती है और रिश्तों में गर्माहट घटने लगती है।

ऐसी क्वॉलिटी से कम होंगी दूरियां

Open mind
नई सोच और बदलते विचारों को अपनाने की आदत रखें ताकि बच्चों की दुनिया, उनके फैसले और उनके नजरिए को बेहतर समझ सकें।

Flexibility
हालात और समय के अनुसार अपने बर्ताव और सोच में बदलाव लाएं, इससे पीढ़ियों के बीच की दूरी और गलतफहमियां दोनों कम होंगी।

Curiosity
बच्चों के इंट्रेस्ट और नई टेक्नॉलजी को जानने की इच्छा रखें। इससे बातचीत आसान होगी और रिश्तों को गहरा बनाने में मदद मिलेगी।

Respect
सम्मान पाने का पहला कदम है, दूसरों को सम्मान देना। यह सोच छोड़ दें कि वे छोटे हैं, इज्जत करना सिर्फ उनका फर्ज है।

Patience
बच्चों की तेज रफ्तार और अलग राय को पेशंस से सुनें, बिना बीच में टोके ताकि वे खुलकर अपनी बातें आपसे साझा कर सकें।

Encouragement
उनकी कोशिशों की तारीफ करें, चाहे वे छोटे हों ताकि उनका कॉन्फिडेंस बढ़े और वे बड़ों से जुड़ाव महसूस करें। उनकी अच्छी बातों को बढ़ावा देने से वे आपको अपना दोस्त समझेंगे।

Adaptability
नई आदतें सीखने या पुरानी आदतों को बदलने में हिचकिचाएं नही क्योंकि यही बदलते समय के साथ तालमेल बनाने की कुंजी है।

Empathy
खुद को बच्चों की जगह रखकर सोचें, जैसे आपने अपनी जवानी में चाहा था कि कोई हमें पूरी तरह समझे और सपोर्ट करे, वैसा ही सपोर्ट आज उन्हें दें।

कल हम आप जैसे ही होंगे

इन वजहों से बढ़ने लगता है गैप

जब लगता है कि वे हमें नही समझतेः कई बार ऐसा लगता है कि दादू-दादी या नानू-नानी हमारी बात समझने में बहुत टाइम लगाते है। हम जल्दी-जल्दी बोलते हैं और वे धीरे-धीरे जवाब देते है। कभी लगता है कि उन्हें नई चीजें समझ नही आती- जैसे हमारे गेम्स, मोबाइल ऐप या इंटरनेट पर होने वाली बातें। फिर वे बार-बार पुराने किस्से सुनाने लगते हैं, जिससे थोड़ी बोरियत महसूस होती है। कभी-कभी वे हमारे फ्रेंड्स को लेकर भी सवाल पूछते हैं- जैसे वह कौन है, क्यों है, कब मिला और ऐसा लगता है कि वे हमारी प्राइवेसी में दखल दे रहे हैं। कई बार वे छोटी-सी बात को भी देर तक समझाते है, जबकि हम सोचते हैं कि बस जल्दी-से बात खत्म करें। कभी ऐसा भी होता है कि हम कोई जोक करते हैं और वे उसे सीरियसली ले लेते है, फिर उस पर उनसे डांट या सलाह मिलने लगती है। धीरे-धीरे ये बातें हमें उनसे थोड़ा दूर भी कर सकती हैं। लेकिन अगर हम पेशंस रखें तो समझ पाएंगे कि उनका इरादा सिर्फ हमें बेहतर समझना और हमारे करीब रहना होता है। वे चाहते हैं कि हमारी जिंदगी की हर खुशी और परेशानी में वे हमारे साथ जुड़े रहें।

गैप को भरेंगी ये क्वॉलिटीज़

Listening Skills
जब दादी-दादू या नानी-नानू बात करें तो मोबाइल या टीवी देखने में न खो जाएं। उनकी बातें ध्यान से सुनें, बीच में न टोकें और पूछी गई बात का जवाब दें।

Quality Time
दिन में कुछ समय सिर्फ उनके साथ बिताएं। चाय पीते हुए बातें करें या खेल खेलें ताकि उन्हें अकेलापन न महसूस हो।

Curiosity
उनसे उनके पुराने किस्से और एक्सपीरियंस पूछें। ये कहानियां हंसाएंगी और परिवार से जोड़ेंगी।

Respect
आप उनकी वजह से ही इस दुनिया में हैं। जो कुछ भी आपके पास है, उसके पीछे उनकी भी मेहनत है, इसलिए हमेशा उनका सम्मान करें।

Patience: कभी-कभी वे एक बात कई बार दोहराते हैं। तब गुस्सा या चिढ़ न दिखाएं, मुस्कुराकर जवाब दें ताकि उन्हें महसूस हो कि उनकी बातें आपके लिए भी मायने रखती हैं।

Helping Hand
अगर वे किसी काम में मदद मांगे या खुद न कह पाएं तो पहल करके हेल्प करें। छोटे-छोटे काम में मदद मिलना भी उनके लिए बड़ी राहत बन हो सकती है।

Appreciation
उनकी बनाई चीजों या उनकी सलाह की तारीफ करें। यह छोटा-सा कदम उन्हें खुश करने और आपसे जुड़ाव बढ़ाने का आसान तरीका है।

Patience with Technology अगर वे मोबाइल या टीवी चलाने में गलती करें तो हंसें नही बल्कि आराम से सिखाएं ताकि उन्हें खराब न लगे।

शेयर करें सबसे बड़ी क्वॉलिटी

हमारे पास है अनुभव

दूरियां कम करने का सबसे अच्छा तरीका है कि अपनी सबसे बड़ी ताकत यानी अपने अनुभव बच्चों के साथ इस तरह साझा करें कि उन्हें यह लेक्चर न लगे बल्कि किसी दोस्त की मजेदार कहानी जैसा महसूस हो। बच्चे उपदेश से ज्यादा किस्सों से सीखते है। मान लें, पोता या पोती किसी गेम में बार-बार हार रहे हैं और निराश हो रहे हैं। सीधा यह कहने के बजाय कि तुम ध्यान नही लगाते, अपने बचपन की कोई घटना सुनाएं। जैसे, किस तरह कई दिनों तक कोशिश करने के बाद पतंग उड़ाना सीखा या किस तरह गली क्रिकेट में लगातार आउट होते-होते एक खास टेक्निक सीख ली। उन्हें यह भी बता सकते है कि गलतियां करते-करते अचानक कोई नया तरीका खोज बैठे और वही तरीका आगे जीत का राज बन गया। जब बच्चे सुनते है कि दादा-दादी या नाना-नानी भी कभी उनकी तरह हारते थे, गिरते थे और फिर उठकर जीतते थे तो उन्हें लगता है कि गलती करना कोई बुरी बात नही बल्कि सीखने का हिस्सा है। इस तरह, आपका अनुभव न केवल रिश्तों में गर्माहट भरता है बल्कि बच्चे में यह भरोसा भी पैदा कर देता है कि मेहनत, पेशंस और कोशिश ही जीत की असली चाबी है। इस तरीके से उन्हें बिना डांटे, बिना दबाव डाले, उनके मन में सीख भी छोड़ सकते हैं और अपनेपन की मिठास भी।

जब आए गुस्साः याद करें अपना अतीत

जब भी बच्चों की किसी बात पर गुस्सा आए तो एक पल ठहरकर अपने बचपन और टीनेज के दिन याद करें। वे दिन जब दोस्तों के साथ खेलने में, फिल्मों में या घूमने-फिरने में इतना खो जाते थे कि समय का ध्यान ही नही रहता था। तब पैरंट्स डांटते थे, सख्त नियम बनाते थे और ऐसा लगता था कि वे हमें समझते ही नही। शायद तब मन ही मन सोचा होगा कि जब मैं बड़ा हो जाऊंगा तो अपने बच्चों के साथ इतनी सख्ती नही करूंगा। आज वही मौका है उस वादे को निभाने का। अगर घर के बच्चे घंटों तक विडियो गेम खेल रहे हैं तो तुरंत गुस्से में टोके बिना याद करें कि हम भी कभी कैरम, लूडो या क्रिकेट में घंटों गुजार देते थे। अगर बच्चा देर तक मोबाइल चला रहा है तो सोचें कि क्या हमने कभी अपने समय में देर रात तक किताब पढ़ी थी या रेडियो सुना था। फर्क सिर्फ जमाने का है, आदतें और जज्बात वही हैं। गुस्से की जगह मुस्कान और प्यार से बात करेंगे तो न सिर्फ वे ध्यान से हमारी बात सुनेंगे बल्कि यह भी महसूस करेंगे कि दादा-दादी या नाना-नानी हमें सच में समझते हैं। यही वह पुल है जो पीढ़ियों के बीच की दूरी को मिटा देता है।

ऐसे समझ पाएंगे नई पीढ़ी को

समझाने का तरीका

जब आप बच्चों को कुछ समझाना चाहते हैं तो यह याद रखें कि तरीका बहुत मायने रखता है। सोचें, जब आपके माता-पिता या दादा-दादी डांटकर या जबरदस्ती कोई काम करने को कहते थे तो अच्छा नही लगता था। उस वक्त ऐसा लगता था कि 'अगर वे प्यार से कहते तो मैं मान लेता।' यही बात आज के बच्चों पर भी लागू होती है। अगर हम चाहते हैं कि वे जल्दी सोएं तो सीधे आदेश देने के बजाय उन्हें कोई मजेदार कहानी सुना सकते हैं जिसमें समय पर सोने वाला किरदार अगले दिन एनर्जी से भरा रहता है। अगर वे पढ़ाई में ध्यान नही दे रहे तो उन्हें डांटने के बजाय बचपन का किस्सा सुनाएं।

बात से बनती जाती है बात

घर में आपस में बातचीत की शुरुआत अक्सर छोटी-सी बात से होती है और धीरे-धीरे वह रिश्तों को गहरा बना देती है। जैसे, अगर यह कहें कि बेटा, ज़रा पौधों में पानी डाल दो ताकि मैं तुम्हें एक मजेदार कहानी सुना सकूं तो यह सिर्फ काम सौंपना नही बल्कि बातचीत का एक पुल बन जाता है। बच्चे पौधों में पानी देते-देते यह पूछ सकते है कि आपने ये पौधे कब लगाए, कौन-सा फूल आपका फेवरिट है या आपके बचपन में बाग-बगीचे कैसे होते थे? इसी तरह, हम अखबार पढ़ते हुए कह सकते हैं कि अरे, आज के अखबार में एक बहुत मजेदार न्यूज़ आई है, सुनना चाहोगे? और फिर खबर सुनाने के बहाने जीवन के अनुभव और सीख भी बांट सकते हैं।

नई पीढ़ी को समझने में मिलेगी मदद

हिंदी फिल्मेंः थ्री इडियट्स, छिछोरे, वेक अप सिड, कपूर एंड संस
हिंदी वेब सीरीजः गुल्लक (SonyLIV), ये मेरी फैमिली (Amazon MiniTV), पंचायत (Prime Video)
अंग्रेजी फिल्में: The Intern, Wonder

पुरानी पीढ़ी से ऐसे करें बात

सिखाने का तरीका

जब दादू-दादी या नानू-नानी को कोई ऐप या नई चीज सिखानी हो तो बस याद करें कि हमें बचपन में कैसे सिखाया गया था। जैसे 'A for Apple' सीखते वक्त टीचर ने किताब में छोटा-सा नही बल्कि बड़े से कागज पर लाल रंग का ऐपल बनाकर दिखाया था ताकि आपको मजा भी आए और याद भी रहे। आप भी पहले उन्हें एक बार करके दिखाएं, फिर उनके साथ मिलकर करें और फिर उन्हें खुद करने दें। अगर लगता है कि वे भूल जाएंगे तो स्टेप बाय स्टेप एक कागज पर लिखकर दे दें।

छेड़ दें कोई बात

कभी-कभी आपकी एक छोटी-सी पहल भी बातचीत को लंबा और मजेदार बना सकती है। जैसे, अगर कह दें कि चलो आज मैं आपके लिए चाय बनाता हूं, लेकिन बदले में आप मुझे अपने बचपन का कोई खेल सिखाना होगा तो यह सिर्फ मदद नही बल्कि साथ में वक्त बिताने का तरीका बन जाता है। चाय बनाते-बनाते पूछ सकते है कि आप बचपन में कौन-सा खेल खेलते थे, क्या कंचे, लट्टू या गिल्ली-डंडा खेलते थे? इसी तरह, नानी-दादी, मैं आपकी मदद कर दूंगा आपके काम में, लेकिन आपको मुझे बताना होगा कि आप इतनी जल्दी ये काम कैसे कर लेती है?

ग्रैंड पैरंट्स के जमाने में जाएं

हिंदी क्लासिकल फिल्में: बावर्ची, छोटी-सी बात, चलते-चलते
वेबसीरीज-टीवी शोजः मालगुड़ी डेज, तारक मेहता का उल्टा चश्मा, साराभाई वर्सेस साराभाई, गुल्लक, वागले की दुनिया

शेयर करें सबसे बड़ी क्वॉलिटी

हमारे पास है टेक्नॉलजी

गैप कम करने का सबसे आसान और असरदार तरीका है अपनी टेक्नॉलजी वाली ताकत को दादू-दादी या नानू-नानी के साथ शेयर करना। सोचिए, उन्हें नया मोबाइल फीचर दिखाना या किसी ऐप का आसान शॉर्टकट बताना, ये सिर्फ सिखाना नही बल्कि साथ वक्त बिताने का मजेदार बहाना भी है। मान लें, दादू फोटो खीचते वक्त कैमरा सेटिंग्स करने में अटक जाते हैं। आप अगर चिढ़कर कह दें कि अरे दादू, आपसे नही होगा तो उन्हें बुरा लग सकता है। लेकिन अगर आप हंसते हुए कहें कि दादू, आज मैं आपको एक जादू दिखाऊंगा, बस एक क्लिक और फोटो शानदार। फिर उन्हें एक स्मार्ट फिल्टर दिखा दें तो माहौल ही बदल जाएगा। फोटो खीचने का मजा भी आएगा और सीखने का भी। इस तरह सिखाएंगे तो वे जल्दी सीख जाएंगे। इसी तरह, नानी को वॉट्सऐप पर वॉइस मैसेज भेजना सिखा दें ताकि वह बिना टाइप किए आसानी से बात कर सकें। आप उन्हें यह ऐसे बताएं कि अब टाइप करने की ज़रूरत नही, बस ये बटन दबाकर बोल दें, मैसेज अपने आप चला जाएगा तो वह हैरान होकर मुस्कुरा देंगी। याद रखें, यह सिर्फ टेक्नॉलजी सिखाना नही है बल्कि उन्हें यह एहसास दिलाना है कि आप उनके साथ समय बिताना पसंद करते है, उन्हें दोस्तों जैसा मानते हैं और उनकी दुनिया को आसान बनाने में खुशी महसूस करते करते है।

जब आए गुस्साः अपने फ्यूचर के बारे में सोचें

जब कभी दादू-दादी या नानू-नानी को कुछ सिखाते-सिखाते गुस्सा आने लगे तो जरा रुककर सोचें कि एक दिन आप भी उनकी ऐज में होंगे। तब आपकी भी स्पीड आज जितनी फास्ट नही होगी। नई चीजें सीखने में टाइम लगेगा और हो सकता है कि आसपास के लोग इरिटेट हो जाएं। जैसे अभी आपको लगता है कि वे मोबाइल के किसी आसान-से फीचर के बारे में भी बार-बार पूछते है, वैसे ही कल आप भी किसी नई टेक्नॉलजी को समझने के लिए अपने बच्चों से मदद लेंगे। कल कौन-सी नई टेक्नॉलजी आएगी अभी आप यह सोच भी नही सकते। यह न समझें कि सीनियर सिटिजंस की स्लो स्पीड उनकी कम समझ की वजह से है। वे बहुत समझदार हैं। असल में यह उनकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ की वजह से है। उम्र के साथ मेमरी और फोकस करने की ताकत थोड़ी स्लो हो जाती है। इसलिए उनकी स्पीड आपसे कम है। अगर वे किसी चीज़ के बारे में बार-बार पूछते हैं तो चिढ़ने के बजाय मुस्कुराकर फिर से बताएं। अगर उन्हें कोई चीज़ पकड़ने या करने में टाइम लगता है तो उनके साथ पेशंस से खड़े रहें। जब आप ऐसा करेंगे तो उन्हें यह महसूस होगा कि आप सच में उनकी बहुत रिस्पेक्ट और परवाह करते हैं।

बॉन्ड मजबूत करने के लिए कॉमन ऐक्टिविटीज़

1. फैमिली ट्री

ग्रैड पैरंट्स अपने परिवार का फैमिली-ट्री बनाने की पहल करें और फिर बच्चों से कहें कि इसे डिजिटल फॉर्मेट में तैयार करें। पुराने एलबम से फोटो चुनना, रिश्तेदारों के नाम लिखना और उनके बारे में मजेदार किस्से जोड़ना इस ऐक्टिविटी का हिस्सा हो सकता है। बच्चे कंप्यूटर या मोबाइल पर इसे डिजाइन करें जबकि ग्रैड पैरंट्स जानकारी और यादें साझा करें। इससे बच्चों को अपनी जड़ों और परिवार के इतिहास को मजेदार तरीके से जानने का मौका मिलेगा और ग्रैड पैरंट्स को डिजिटल टूल्स सीखने का अनुभव होगा।

2. फैमिली रेसिपी

किसी त्योहार या खास मौके पर ग्रैड पैरंट्स बच्चों को फैमिली की स्पेशल रेसिपी बनाना सिखाएं। इस दौरान कुकिंग से जुड़े अपने खास टिप्स और सीक्रेट नुस्खे भी शेयर करें। जैसे कि सही स्वाद के लिए कौन-सा मसाला कब डालना है, आटा नरम कैसे रखना है या मिठाई का परफेक्ट रंग कैसे लाना है। बच्चे रेसिपी की लिस्ट लिख सकते है, फोटो ले सकते हैं और इसे डिजिटल रेसिपी बुक में बदल सकते हैं।

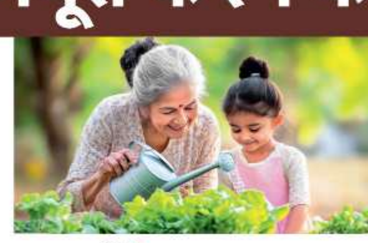

3. गार्डनिंग

गार्डनिंग रिश्तों को मजबूत करने का एक शानदार तरीका है क्योंकि इसमें दोनों पीढ़ियां साथ-साथ समय बिताती है। ग्रैड पैरंट्स बीज चुनने, पौधे लगाने और मिट्टी तैयार करने का तरीका बताएं जबकि बच्चे पानी देना, खाद डालना और पौधों की ग्रोथ की तस्वीरें लेना जैसे काम करें। यह ऐक्टिविटी बच्चों को पेशंस और जिम्मेदारी सिखाती है, वही ग्रैड पैरंट्स को भी खुशी देती है कि वे अपने अनुभव से कुदरत के प्रति लगाव जगा रहे हैं।

4. मूवी सेशन

मूवी सेशन एक-दूसरे की पसंद और सोच को समझने का मजेदार तरीका है। तय करें कि एक दिन बच्चे पुरानी ब्लैक-एंड-वाइट या क्लासिक फिल्म देखें जबकि अगले दिन ग्रैड पैरंट्स नई पीढ़ी की फिल्म देखें। फिल्म के बाद दोनों मिलकर कहानी, किरदार और सीन पर चर्चा करें कि कौन-सा हिस्सा अच्छा लगा, किस डायलॉग ने असर छोड़ा और किस किरदार से ज्यादा जुड़ाव महसूस हुआ।

5. हॉबी

कुछ कॉमन हॉबी ढूंढना ग्रैड पैरंट्स और बच्चों के बीच बॉन्डिंग का आसान तरीका है। यह पेंटिंग, म्यूजिक, फोटोग्राफी, कुकिंग या साथ में घूमने की आदत हो सकती है। वीकेंड पर किसी पार्क में घूमना, फोटो खीचना, घर पर आर्ट बनाना या म्यूजिक बजाना, ऐसी ऐक्टिविटी रिश्तों में ताजगी लाती हैं। जब दोनों पीढ़ियां एक साथ कुछ क्रिएटिव करती है तो बातचीत बढ़ती है, एक-दूसरे की स्किल्स की तारीफ होती है और नई यादें बनती हैं, जो रिश्तों को बरसों तक मजबूत रखती हैं।

6. रिपेयरिंग

बच्चों को घर की छोटी-छोटी रिपेयरिंग सिखाना भी एक शानदार बॉन्डिंग ऐक्टिविटी है। ग्रैड पैरंट्स उन्हें घड़ी या टॉर्च में बैटरी लगाना, पुराने खिलौनों में स्क्रू कसना या टूटे हिस्से चिपकाना, पुराने फोटो फ्रेम का बैक कवर लगाना, शू पॉलिश करना और लेस बांधना, पुराना रेडियो चालू करना सिखा सकते हैं। बच्चे इन कामों में हाथ बंटाते हुए सीखते हैं कि हर छोटी परेशानी के लिए बाहर से मदद लेने की ज़रूरत नही होती। इससे उनमें अपने दम पर काम करने और अपनी ताकत पर यकीन आता है।

जागरूक खबरें

आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट से मिली राहत

जोधपुर @ जागरूक जनता। उम्रकैद की सजा काट रहे बलात्कार के दोषी आसाराम को गुजरात हाई कोर्ट ने एक बार फिर राहत दी है। कोर्ट ने उनकी अस्थायी जमानत को मेडिकल आधार पर 3 सितंबर 2025 तक बढ़ा दिया है। इससे पहले, राजस्थान हाई कोर्ट ने भी उनकी अंतरिम जमानत को 29 अगस्त तक बढ़ाया था। दोनों कोर्ट अब उनकी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे का फैसला लेंगे। आसाराम स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर बार-बार जमानत की मांग कर रहे हैं। गुजरात हाई कोर्ट ने 19 अगस्त 2025 को आसाराम की याचिका पर सुनवाई की।

यूईएम में शीर्ष विद्यालयों के बीच अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चौमूं/जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM), जयपुर/कोलकाता की ओर से यूनिवर्सिटी कैंपस में जिले के शीर्ष विद्यालयों के बीच सबसे बड़ी अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता - CON-NECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा-2025) का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर के वाईस चांसलर प्रो डॉ बिस्वजॉय चटर्जी, रजिस्ट्रार डॉ प्रदीप कुमार शर्मा, एसोसिएट डीन- डॉ मुकेश यादव, कृशानु बनर्जी, सुमन चक्रबर्ती आदि ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रतियोगिता में न्यू टारगेट अकादमी, पी एम श्री गवर्नमेंट स्कूल, श्री प्रताप स्कूल, सूर्य अकादमी, इटावा, सेठ सी ए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, टारगेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ए एन पब्लिक स्कूल, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भोजलावा, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल रेलवे स्टेशन, आकाश कान्वेंट स्कूल, श्री प्रताप इंटरनेशनल स्कूल, विद्या ग्राम इंटरनेशनल स्कूल, सेंट एंसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेंट लॉरेंस पब्लिक स्कूल, टिन्नीटोट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, क्यूरियस किड्स सेकेंडरी स्कूल, नई टैगोर अकादमी गोविंदगढ़, विद्या भर्ती सीनियर सेकेंडरी स्कूल इटावा आदि सहित जयपुर ग्रामीण के अधिकतम टॉप स्कूलों से विज्ञान के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर/ कोलकाता द्वारा "सेंट लॉरेंस पब्लिक स्कूल" को अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता-CON-NECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर चैंपियन स्कूल व "सेंट एंसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल" चौमू को उपविजेता स्कूल वर्ष 2025 का ख़िताब देकर पुरस्कृत किया गया।

प्रत्येक कार्यक्रम के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्रों को यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर/कोलकाता की और से नकद पुरस्कार के साथ साथ योग्यता प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह तथा कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य छात्रों को भागीदारी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्विद्यालय के रविंद्र मांजू, ऋद्धय बनर्जी, शुभदीप घोष, पिनाकी करमाकर के अलावा एडमिशन विभाग के आशुतोष गौतम, महेश चौधरी, बाबूलाल शर्मा, श्याम प्रताप भी शामिल हुए साथ ही कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अतिथियों का यूनिवर्सिटी कुलपति प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पोस्टर विमोचन के साथ शुरू हुई सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियाँ

मंसूरी समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन 2 नवम्बर को

दुल्हा-दुल्हन को मिलेगा 21,500 रुपये का उपहार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कपासन। मंसूरी समाज सामुहिक विवाह सम्मेलन दरगाह हज़रत दीवाना शाह साहब में 2 नवम्बर रविवार को होगा। सम्मेलन के पोस्टर का किया विमोचन। मंसूरी एज्यूकेशनल एण्ड वेलफैयर सोसायटी उदयपुर के सदर अब्दुल लतीफ मंसूरी के अनुसार 2 नवम्बर रविवार को होने वाले सामुहिक विवाह सम्मेलन मे दुल्हा-दुल्हन से 11786 रूपये लिये जायेगें एवं उपहार मे 21500 रूपये की एफ.डी. दी जायेगीं। बारात आमद 07:30 बजे होगी इसके बाद खाना, निकाह, व 2 बजे बारात की विदाई होगी। सोसायटी के सैक्रेट्री ज़ाहिद मोहम्मद मंसूरी के अनुसार दरगाह हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के बुलन्द दरवाजा के बाहर सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास मंसूरी, सदर मंसूरी समाज कपासन हाजी मोहम्मद खाँ मंसूरी, अ.वि.वि.नि. के पूर्व एक्सईएन इस्हाक मंसूरी, मुंशी मंसूरी व स्थानीय मंसूर अहमद मंसूरी, लतीफ मोहम्मद मंसूरी, हाजी अब्दुर्रहमान मंसूरी, मोहम्मद ईस्माईल, कलीम मंसूरी, मोहम्मद इस्हाक स्टार टेलर्स, मुबारिक हुसैन मंसूरी आदि उपस्थित थे। इससे पूर्व सोसायटी की जानिब से बाबा हुज़ूर की बारगाह मे चादर पेश कर मुल्क मे अमनो सुकून व सामुहिक विवाह सम्मेलन की कामयाबी के लिये दुआ की।

प्रदेश में पुलिसिंग पर सख्त निगरानी के लिए रेंज स्तर से समीक्षा बैठकें शुरू

जन सुरक्षा और कानून-व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा और प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने की दिशा में टीम राजस्थान पुलिस प्रतिबद्ध है और इसी श्रृंखला में पुलिस अधिकारियों की रेंज स्तरीय समीक्षा बैठकों का सिलसिला शुरू किया है। पुलिसिंग पर प्रभावी पर्यवेक्षण की दृष्टि से पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने आज भरतपुर रेंज की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने क्षेत्र में कानून व्यवस्था, संगठित अपराध, साइबर क्राइम, अवैध खनन और लंबित आपराधिक प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की और महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि संगठित अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस के स्तर पर स्वस्फूर्त ठोस उठाये जाय व कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि प्रभावी पुलिसिंग ही बेहतर कानून-व्यवस्था की कुंजी है। अपराध नियंत्रण और जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस लिहाज से पुलिस की कार्यप्रणाली पारदर्शी और जवाबदेह होनी चाहिए।

बैठक में जिलेवार अपराध स्थिति, महिला सुरक्षा, साइबर क्राइम, गश्त व्यवस्था, थानों की कार्यप्रणाली, लंबित प्रकरणों के निस्तारण और जनता से पुलिस की संवेदनशीलता जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपराध पर कड़ी निगरानी रखी जाए, अपराधियों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा सरकार की मंशा अनुरूप जनता के प्रति संवेदनशील और पारदर्शी व्यवहार अपनाया जाए। लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के साथ गंभीर मामलों में जांच की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। समीक्षा के दौरान पाया गया कि कुछ अधिकारियों ने अपने कार्यों के प्रति उदासीनता दिखाई है, जिससे उनके पर्यवेक्षण कार्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। अतः राम कुमार कसवां, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर एवं अखलेश कुमार शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डीग को परामर्श ज्ञापन (एडवाइजरी मेमो) जारी किया जा रहा है तथा गिरधर सिंह, वृताधिकारी हिंडौन एवं संतराम मीना, वृताधिकारी गंगापुर सिटी को तत्काल प्रभाव से पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा में (एपीओ) किया गया है। डीजीपी शर्मा ने कहा कि सभी थाना क्षेत्रों में कड़ी नाकाबंदी की जाए और ट्रैफिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। क्षेत्र में सड़क हादसों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए जाएं और इन स्थानों पर ऐसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएं, जिससे भविष्य में दोबारा दुर्घटना न हो।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार ने मनाया अंगदान सप्ताह

देश हित में अंगदान के प्रति बढ़े जागरूकता-मित्तल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन में प्रथम बार राष्ट्रीय स्तर पर अंग-दान जागरूकता कार्यर् म को जन-जन तक पहुँचाने हेतु 3 अगस्त से 10 अगस्त 2025 तक राष्ट्रीय व्यापी "अंगदान जीवन संजीवनी अभियान" सुशील फरमानिया, राष्ट्रीय अध्यक्षा (अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन) के नेतृत्व में चलाया गया। पूनम जयपुरिया, महिला इकाई अध्यक्षा, यवतमाल (महाराष्ट्र) ने सह-संयोजिका की भूमिका निभाई उन्होंने विविध पोस्टरों के माध्यम से अंग-दान जानकारी सभी तक पहुँचाई ।

13 अगस्त 2025 विश्व अंग-दान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन जूम एप के माध्यम से कार्यक्रम का समापन किया गया। मंच-संचालन एवं गणेश वन्दना सह-संयोजिका पूनम जयपुरिया द्वारा स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम संयोजिका महिला राष्ट्रीय अध्यक्षा सुशीला फरमानिया जी द्वारा तथा सम्मेलन के सदस्यों द्वारा स्वरचित अंग-दान गीत का विमोचन राजकुमार मित्तल, (कोलकाता) अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष (अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन) द्वारा किया गया उन्होंने इस कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा प्रथम बार यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है और देश-हित में अंग-दान के प्रति जागरूकता लाने के लिए सभी सामाजिक संस्थाओं द्वारा यह कार्य अवश्य किया जाना चाहिए।

"अंगदान जीवन संजीवनी अभियान" के अंतर्गत सर्वाधिक कार्य करने के लिए ओडिशा प्रदेश की संबलपुर महिला इकाई को "अंगदान सुपर-स्टार" छत्तीसगढ़ प्रदेश को ऑनलाइन प्रतियोगिताओं हेतु तथा बिलासपुर एवं चाम्पा महिला इकाई तथा नवगठित बरगढ़ इकाई को अंग-दान पर अच्छे कार्य करने हेतु ई.सम्मान पत्र प्रदान किये गए। अंग-दान गीत लेखिका कमलेश गर्ग, बाड़ी धौलपुर (राजस्थान) और गायिका हेमा जालान, मुंगेर (बिहार) को ई.सम्मान से सम्मानित किया गया। कोलकाता निवासी संजीव (संजय) कुमार सिंघल, श्री अग्रसेन प्रचार समिति (पश्चिम बंगाल) संयोजक द्वारा मरणोपरांत नेत्रदान की घोषणा कर अत्यन्त प्रशंसनीय कार्य किया गया। राष्ट्रीय योग ट्रेनर स्वाति जैन, केसिंगा द्वारा योग के माध्यम से केसे अपनी जीवन आयु बढ़ायें तथा अंग-प्रत्यंग को कैसे सुरक्षित और स्वस्थ रखें इस पर मार्गदर्शन दिया गया।

अंग-दान जागरूकता हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन पूनम जयपुरिया द्वारा किया गया उपस्थित सभी सदस्यों ने इसमें हिस्सा लिया तथा इस ज्ञानवर्धक और मनोरंजन कार्य की बहुत-बहुत सराहना की। प्रश्नोत्तरी विजेता नेहा अविनाश अग्रवाल चांपा, अनामिका संजय अग्रवाल, खरसिया (छत्तीसगढ़) हेमा जालान, मुंगेर (बिहार) रीता लोढ़ा, चाकुलिया (झारखंड) सारदा अग्रवाल, संबलपुर (ओडिशा) को ई. सम्मान पत्र प्रदान किए गए। टेक्निकल हेड का कार्यभार मधु डूमरेवाल, आसनसोल (पश्चिम बंगाल) द्वारा निभाया गया। अंत में सुशीला फरमानिया राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम को विराम दिया गया।

भालू से बचाएगी अब आपको मिर्ची, बस ख़रीदो मिर्ची और घर दुकान के द्वारे बिखेरो मिर्ची

न सूत न कपास, बस जुलाऐं लथम लट्ठा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। भालुओं को यदि आपको शहर में ही देखना हो तो आप कहीं और नहीं माउण्ट आबू चले आइए। आम सड़क पर कचरा फैके जाने का स्थान हो फिर कही भी वह जगह जहां झूठन कचरा कॉलोनी क्षेत्र में निवासरत आबादी अपना कूड़ा कचरा झूठन डम्प करती हैं। वहाँ वहाँ पर अक्सर ही भालू या अब तो मादा भालू अपने बच्चों के साथ दिखाई दे जाती है। ऐसे में माउण्ट आबू एसडीएम डॉ अंशु प्रिया ने पहल करते हुए माउंट आबू नगर पालिका पुस्तकालय में आमजन एनजीओ व सभी सम्बन्धित विभागाधिकारियो की बैठक ली।

यह भी दिलचस्प ही है

जब माउंट आबू में भालुओं के आबादी क्षेत्रो में बढ़ते हुए प्रवेश को लेकर तरह तरह की परेशानियां व भय का माहौल शहरवासियों में व्याप्त हो तो उस समस्या का समाधान की पहल स्वयं वन विभाग को करनी चाहिए थी। लेकिन वह वन विभाग इस गम्भीर समस्या के प्रति अकर्मण्य व लापरवाह दिखा। उल्टा जब निरन्तर बढ़ती भालुओं के शहरी क्षेत्रों में समस्याओं पर स्वयं एसडीएम डॉ अंशु प्रिया ने पहल करते हुए आमजन एनजीओ व वन विभाग व प्रशासन के अधिकारियों की बैठक आहूत करवायी तो उसमें भी भाग लेने वन विभाग बकौल कोई बड़े अथवा जिम्मेवार अधिकारी उपस्थित होते । ऐसा न होकर वन विभाग ने दो वन पाल राजेश विश्नोई व वन पाल मोहनराम को भेज उभरी समस्या के प्रति अपनी गम्भीरता अभिव्यक्त कर दी ।

बैठक के बाद आखिर नतीजा क्या निकला .....?

एक कहावत सुनी होगी आपने, न सुत न कपास, बस जुलाए लट्ठम लट्ठा। तो परिणाम के रूप में भी यही कहावत यहाँ चरितार्थ होती कम दिलचस्प नहीं रही है। आप पढ़कर बस मुस्कुराइएगा नहीं। वन विभाग की माने तो जहाँ जहाँ ज्यादा भालू आए वहाँ वहाँ मिर्ची पाउडर बिखेर दो। बस माउण्ट आबू वाले व सारा प्रशासन वन विभाग की एक मात्र ध्येय माँग को मान कर जगह जगह मिर्ची बिखेरेगा। तो भविष्य में माउंट आबू की मिर्ची आबू नामकरण हो जाएगा इस हिल स्टेशन का ,जो पहले ही भालू भय से हिला हुआ है। बैठक में एसडीएम अंशु प्रिया ने जब वन विभाग के उपस्थित वनपाल से आबादी क्षेत्र में प्रवेश कर रहे भालुओं से सचेत,सावचेत रहने व सुरक्षित रहने के उपाय पूछे तो वह इतना ही बता पाए कि हमारे पास पहले ही स्टाफ कम है दूसरा अगर आपको लगता है कि किसी स्थान पर ज्यादा भालू आ रहे हैं तो वहां पर आप एक दो चार किलो मिर्ची का पाउडर बिखर देवें जिससे वहां पर बालों का प्रवेश आना बंद हो जाएगा ।

काफी समय से भालू का शहरी क्षेत्र प्रवेश की घटनाएं आए दिन घट रही थी। इस तरह के समाचार हमें आए दिन मिल रहे थे । इसकी गंभीरता को लेते हुए एक बैठक का आयोजन आज किया गया था। आने वाले दिनों में वन विभाग के साथ में नगर पालिका को एक एस ओ पी बनाने के लिए निर्देशित किया गया है कि वह जल्द से जल्द एक एस ओ पी बनाएं । वह आमजन को समझाएं कि वह भालुओं से अपना बचाव कैसे किया जा सकता हैं। साथ ही प्रशासन नगर पालिका के माध्यम से होटल एसोसिएशन व शहरी क्षेत्र में निगाह रखेगा, ताकि लोग हर जगह पर कचरा या झूठन नहीं फेक पाए जिससे इस तरह के जंगली जानवर आकर्षित हो पाए आपसी समन्वय से ही यह समस्या का समाधान निकल पाएगा।

-डॉ अंशु प्रिया, एसडीएम माउण्ट आबू

डॉ. भंवर सुराणा स्मृति में साहित्यिक आंदोलन 30 को

उदयपुर @ जागरूक जनता। साहित्यिक आंदोलन की श्रृंखला में राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम एवं डॉ. भँवर सुराणा स्मृति अभिनंदन समिति की ओर से 30 अगस्त को लायंस क्लब सभागार में स्व. डॉ. भँवर सुराणा साहब की स्मृति में "मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी और 21वीं सदी की हिंदी" विषयक परिचर्चा, पुस्तक लोकार्पण, कवि सम्मेलन और साहित्य-संस्कृति सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम समन्वयक डॉ शकुंतला सरूपरिया ने बताया कि अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार अनिल सक्सेना करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट विभूतियों का सम्मान भी किया जाएगा।

पंचायत समिति सलूम्बर, जिला सलूम्बर (राज.)

क्रमांक : एफ 1 ()पंसस/लेखा/2025-26/941 | दिनांक: 14.08.2025

श्री मन्नालाल रावत, सांसद, उदयपुर ग्रामीण | श्रीमती शांता अमृतलाल मीणा, विधायक सलूम्बर | श्रीमती गंगा देवी, प्रधान, पं.स. सलूम्बर

भारत सरकार की फ्लेगशिप योजनाएं-ग्रामीण क्षेत्र

- आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई
- दीनदयाल अन्त्योदय योजना NRLM
- प्रधानमंत्री उज्जवला योजना
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना
- स्वामित्व योजना
- जन धन योजना
- सुरक्षा बीमा योजना
- पी.एम. प्रणाम
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)
- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना
- किसान क्रेडिट कार्ड
- हर घर जल जल जीवन मिशन
- जीवन ज्योति योजना
- अटल पेंशन योजना
- नेनो फर्टीलाईजर्स

पंचायत समिति सलूम्बर के समस्त ग्रामवासियों से निम्न निवेदन करती है....

•जन्म मृत्यु व विवाह का पंजीयन अवश्य कराएं •बिजली व पानी बचाएं व वृक्षारोपण कर पर्यावरण बचाएं •ग्राम सभा में भाग लेवे, शिक्षा को बढ़ावा देवें ग्राम पंचायत में स्वच्छता बनाएं रखें •मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में पंजीकरण अवश्य करावें •श्रमिक कार्ड एवं आधार कार्ड बनवाएं •रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत पंजीकरण अवश्य करावें •स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता बनायें रखें •खुले में शौच ना करें व शौचालय को बनाकर उसका नियमित उपयोग करें •विधवा विकलांग वृद्धावस्था एवं पालनहार योजना में पात्र अभ्यर्थी पंजीकरण करवाकर लाभ लेवें •पंचायत राज की समस्त जनकल्याणकारी योजना में पात्र अभ्यर्थी पंजीकरण करवाकर लाभ लेवें •पंचायत राज की समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठावें •ग्राम पंचायत की भूमि में अतिक्रमण नहीं करे •जानवरों को खुला नहीं छोड़े, कचरा खुले मे नहीं डाले, प्लास्टिक को घर में संग्रहण करें, पानी बचायें व्यर्थ नहीं बहाएं।

समस्त पंचायत समिति सदस्यगण, सरंपचगण

जितेन्द्र सिंह चुण्डावत, RRDS
विकास अधिकारी, पंचायत समिति सलूम्बर

पंचायत समिति सलूम्बर, जिला सलूम्बर (राज.)

सवाईमाधोपुर में डूंगरी बांध के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन

सवाईमाधोपुर @ जागरूक जनता। जिले में प्रस्तावित राम जल सेतुलिंक परियोजना के तहत बनाए जाने वाले डूंगरी बांध के विरोध में ग्रामीणों का आंदोलन तेज होता जा रहा है। साथ ही ग्रामीण राजनेताओं के प्रति नाराजगी भी जाहिर कर रहे हैं। जिला मुख्यालय पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने नारेबाजी की। मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापनसौंपा। साथ ही उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। डूंगरी बांधके विरोध में ग्रामीणों की लगातार महापंचायतें हो रही हैं।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म | दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

राजस्थान में "गिव अप अभियान" की ऐतिहासिक सफलताः सक्षम लोगों का त्याग बन रहा गरीबों का निवाला

27 लाख सक्षम लाभार्थियों ने स्वेच्छा से छोड़ी खाद्य सब्सिडी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट दिशा निर्देश हैं कि अंतिम पक्ति में खडे लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाए ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में असल हकदारों को एनएफएसए में स्थान देने हेतु विभाग द्वारा गिव अप अभियान गत वर्ष 1 नवम्बर को शुरू किया गया। इस अभियान का उद्देश्य सक्षम लोगों को स्वेच्छा से खाद्य सब्सिडी त्यागने हेतु प्रेरित करना है ताकि गरीबों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल सके। गिव अप अभियान के तहत प्रदेश भर में अब तक 27 लाख से अधिक सक्षम लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़ी है। उन्होंने कहा कि गिव अप अभियान की ऐतिहासिक सफलता के कारण पात्र वंचित खाद्य सुरक्षा से जुड़ पा रहे है। गिव अप अभियान के तहत स्वेच्छा से खाद्य सब्सिडी त्यागने एवं ईकेवाईसी न करवाने के कारण एनएफएसए में बनी रिक्तयों से 56 लाख 62 हजार 268 पात्र वंचितों को विभाग खाद्य सुरक्षा से जोड़ पाया है।

उन्होंने कहा कि सक्षम लोगों का त्याग गरीबों के मुंह का निवाला बन रहा है। इस अभियान के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सूची में नई रिक्तियाँ बनने से सूची में जुड़े पात्र परिवारों को न केवल पोषण युक्त अन्न उपलब्ध कराया जा रहा है बल्कि उन्हें 25 लाख रूपये तक का निःशुल्क इलाज, 10 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा एवं 450 रूपये में प्रतिवर्ष 12 घरेलू सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। गोदारा ने बताया कि गिव अप अभियान में व्यापक जनभागीदारी को देखते हुए इसकी अवधि 31 अगस्त 2025 तक बढ़ा दी गई है।

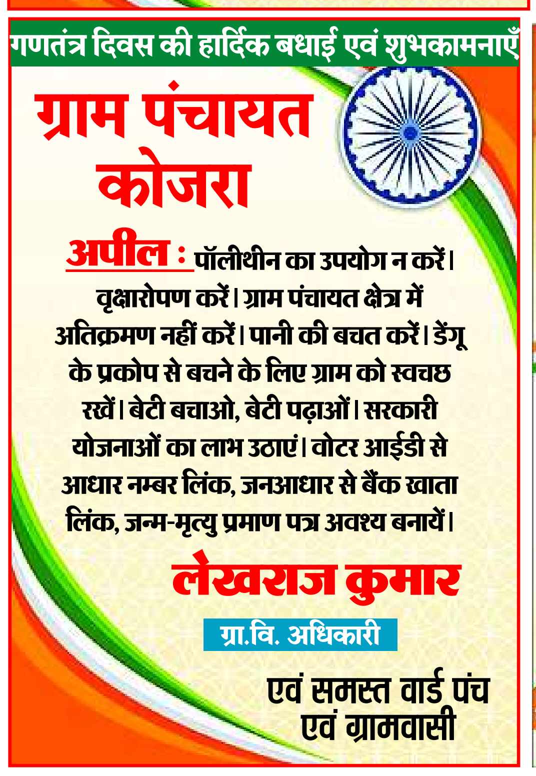

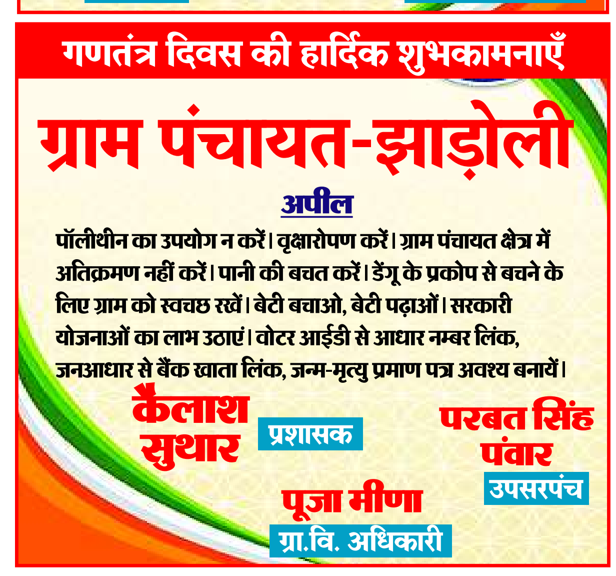

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

स्वतंत्रता दिवस पर दिवाली गिफ्ट

आत्मनिर्भरता की बात ट्रंप को इशारों में जवाब

GST में सुधार का ऐलान, ज़रूरी चीजें सस्ती होंगी | 3.5 करोड़ रोज़गार की नई योजना की भी शुरुआत हुई

विकसित भारत का आधार आत्मनिर्भर भारत है। अगर कोई दूसरों पर बहुत अधिक निर्भर हो जाता है तो स्वतंत्रता का प्रश्न धुंधला पड़ने लगता है।...भारत के किसान, पशुपालक, मछुआरे- ये हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता हैं। इनसे जुड़ी किसी भी अहितकारी नीति के आगे मोदी दीवार बनकर खड़ा है। –नरेन्द्र मोदी

(टैरिफ वॉर के बीच पीएम का संदेश)

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर देशवासियों के लिए रोजमर्रा की चीजें सस्ती करने वाले 'दिवाली' गिफ्ट का ऐलान किया। युवाओं के लिए दो वर्षों में 3.5 करोड़ रोजगार लाने वाली 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' का आगाज किया। लाल किले की प्राचीर से पीएम मोदी ने देशवासियों से आत्मनिर्भरता को 'समृद्ध भारत' के लक्ष्य से जोड़ने का आह्वान भी किया।

GST (गुड्स ऐंड सर्विसेज टैक्स) में सुधारों की बात करते हुए पीएम ने कहा कि इस बार डबल दिवाली का तोहफा मिलने वाला है। सामान्य लोगों के लिए टैक्स कम कर देंगे। इससे रोजमर्रा की चीजें सस्ती होंगी। हमारे MSME (छोटे-मंझोले उद्योगों) को भी बहुत फायदा होगा। इससे हमारी इकॉनमी मजबूत होगी। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि नए ढांचे में GST की दो मुख्य दरें 5% और 18% होंगी। अभी 12% में आने वाली 99% चीजें 5% स्लैब में होंगी। वहीं, 28% टैक्स वाली 90% चीजें 18% स्लैब में आएंगी। लग्जरी और हानिकारक चीजों आदि पर 40% का विशेष टैक्स लगेगा।

GST में 5% और 18% के ही मुख्य स्लैब का प्रस्ताव

103 मिनट
का लाल किले की प्राचीर से अब तक का सबसे लंबा भाषण दिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने

PTI

मेड इन इंडिया चिप मिलेगी इसी साल

आत्मनिर्भरता की तरफ तेजी से आगे बढ़ने की बात करते हुए पीएम ने कहा कि देश में बनने वाले फाइटर जेट के इंजन भी देश में ही बनने चाहिए। पीएम ने इन जेट इंजन को देश में बनाने के लिए वैज्ञानिकों और युवाओं को चुनौती भी दी। पीएम ने कहा कि इस साल के अंत तक देश को अपनी पहली 'मेड इन इंडिया' सेमीकंडक्टर चिप मिलेगी। उन्होंने मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े लोगों को मंत्र दिया- 'दाम कम, लेकिन दम ज्यादा।' पीएम ने कहा- हमें इस भाव से आगे बढ़ना है।

सुरक्षा कवच बनेगा 'सुदर्शन चक्र'

भगवान कृष्ण से प्रेरणा लेकर पीएम ने मिशन 'सुदर्शन चक्र' का भी ऐलान किया। इसके तहत इस्राइल के आयरन डोम की तर्ज पर भारत अपना एयर डिफेंस सिस्टम तैयार करेगा, जो न सिर्फ दुश्मन के हमले रोकेगा, बल्कि दुश्मन पर वार भी करेगा। इस मिशन को 10 वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है। पीएम ने कहा कि 2035 तक देश के सभी अहम सामरिक और सिविलियन ठिकानों को इस सुरक्षा कवच के दायरे में लाया जाएगा।

घुसपैठ रोकेगा डेमोग्राफी मिशन

पीएम ने कहा कि साजिश के तहत घुसपैठ के जरिए देश की डेमोग्राफी (जनसांख्यिकी) को बदला जा रहा है। ये घुसपैठिये युवाओं की रोजी-रोटी छीन रहे हैं। बहन-बेटियों को निशाना बना रहे हैं। पीएम ने घुसपैठ पर लगाम के लिए डेमोग्राफी मिशन बनाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यह मिशन देश पर मंडरा रहे इस संकट का निश्चित समय-सीमा में समाधान करेगा।

संघ की तारीफ, विपक्ष भड़का

प्रधानमंत्री ने RSS (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के शताब्दी वर्ष का जिक्र कर पहली बार लाल किले से इस संगठन की तारीफ की। पीएम ने कहा कि संघ दुनिया का सबसे बड़ा NGO है और यह प्रेरणा देता रहेगा। संघ का इतिहास समर्पण का इतिहास है और सेवा, समर्पण, संगठन और अनुशासन इसकी पहचान रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि यह संघ को खुश करने की कोशिश है। समाजवादी पार्टी ने परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, 'कुछ संगठन अंग्रेजों ने बनाए थे, ताकि भारत को धार्मिक आधार पर बांटा जा सके।'

मोटापे को बड़ा संकट बताया

प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि मोटापा हमारे देश के लिए बहुत बड़ा संकट बनता जा रहा है। प्रत्येक परिवार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इसके खिलाफ लड़ाई में सभी को योगदान देना चाहिए। पीएम ने कहा, हमें मोटापे से खुद को बचाना होगा। इसलिए, कई कदम उठाने होंगे, लेकिन मैंने छोटा सा सुझाव दिया था कि हर परिवार यह संकल्प ले कि जब घर में तेल आए तो वह सामान्य से 10% कम हो और उसके इस्तेमाल में भी 10% की कटौती की जाए।

पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी

प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को स्पष्ट और कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि आतंकियों और उन्हें पालने-पोसने वालों को 'अब हम अलग-अलग नहीं मानेंगे।' भविष्य में किसी भी दुस्साहस की स्थिति में भारतीय सशस्त्र बल दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देंगे। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, 'हमारे वीर जांबाज सैनिकों ने, दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है। अब भारत न्यूक्लियर ब्लैकमैल नहीं सहेगा। हम मुंहतोड़ जवाब देंगे।' मोदी की इस टिप्पणी को पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की धमकी के बाद प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है।

'खून और पानी साथ नहीं बहेंगे'

पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के निर्णय को पीएम ने उचित ठहराया और छह दशक पुरानी इस संधि को 'अन्यायपूर्ण और एकतरफा' करार दिया। पीएम ने कहा, 'अब भारत ने तय कर लिया है, खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। अब देशवासियों को भली-भांति पता चल गया है कि सिंधु का समझौता कितना अन्यायपूर्ण है, कितना एकतरफा है। किसान हित में और राष्ट्रहित में, यह समझौता हमें मंजूर नहीं है।' मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में पैदा हुए आक्रोश की अभिव्यक्ति है। इस अभियान से पाकिस्तान में ऐसी तबाही हुई कि उसकी नींद उड़ी हुई है।

राज्यपाल ने विद्याधर नगर स्थित डॉ.आंबेडकर पार्क में वृक्षारोपण किया, माल्यार्पण कर बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर की स्मृति को नमन किया

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने स्वाधीनता दिवस पर विद्याधर नगर स्थित आंबेडकर पार्क पहुंचकर वहां वृक्षारोपण किया। डॉ. भीमराव आंबेडकर विचार मंच द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम बाद उन्होंने वहीं बाबा साहेब डॉ.आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी स्मृति को नमन किया।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2025 की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन 5 सितम्बर 2025 को जयपुर में किया जायेगा। इस अवसर पर राज्य स्तर पर चयनित शिक्षकों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जायेगा। समारोह का आयोजन बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर में किया जाना प्रस्तावित है।

समारोह की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के लिए संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, जयपुर संभाग, जयपुर मंजू शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में आज डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जयपुर स्थित मंथन सभागार में संयुक्त निदेशक मंजू शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में नोडल अधिकारी श्रीमती शर्मा द्वारा समारोह के सफल संचालन हेतु गठित विभिन्न समितियों के प्रभारी एवं सह-प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि यह समारोह शिक्षकों के योगदान और उनकी सेवाओं को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, अतः समस्त व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित की जाएं। बैठक में उपनिदेशक (महात्मा गांधी प्रकोष्ठ) कार्यालय संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा जयपुर संभाग, जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्रारम्भिक शिक्षा, जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी, जयपुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉट ऑन टारगेट डिवीजन' के अंतर्गत फोर्मेशन्स की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की

सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर ने किया हिसार मिलिट्री स्टेशन का दौरा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने 18 और 19 अगस्त 2025 को हिसार मिलिट्री स्टेशन के दो दिवसीय दौरे के दौरान 'डॉट ऑन टारगेट डिवीजन' के अंतर्गत फोर्मेशन्स की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। भारतीय रक्षा बल 'डिकेड ऑफ़ ट्रांसफॉर्मेशन', में आगे बढ़ रहे हैं, ऐसे में आर्मी कमांडर ने ऑपरेशनल रेडीनेस और युद्ध क्षमता का व्यापक मूल्यांकन किया और अत्याधुनिक तकनीक के प्रत्यक्ष प्रभाव को देखा, जिसमें मानवरहित हवाई प्रणालियों पर विशेष जोर देते हुए चपलता, मारक क्षमता और तकनीक-संचालित युद्ध पर ध्यान केंद्रित किया गया। आर्मी कमांडर ने मानवरहित हवाई प्रणालियों और लोइटरिंग म्यूनिशन के बढ़ते खतरे को कम करने के लिए यूनिटों द्वारा किए गए उपायों और संशोधनों को देखा। उन्होंने डिवीजन के ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एवं काउंटर ड्रोन नोड का भी दौरा किया और ड्रोन युद्ध की विशिष्ट और आधुनिक तकनीकों में सैनिकों को प्रशिक्षित करने के प्रयासों की सराहना की। आर्मी कमांडर ने शांति और युद्ध दोनों के दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों के लिए किसी भी खतरे को नकारने के लिए लंबी दूरी की पहचान और मारक क्षमताओं पर आधारित एक मजबूत और प्रभावी काउंटर ड्रोन रणनीति की आवश्यकता पर बल दिया। आर्मी कमांडर ने एकीकृत स्वास्थ्य केंद्र, एक आधुनिक और अच्छी तरह से सूचीबद्ध पुस्तकालय, एकीकृत ओपन एयर जिम एवं खेल सुविधाओं और दिव्यांग बच्चों के लिए आशा स्कूल सहित स्टेशन के कई कल्याणकारी विभागों का भी दौरा किया। उन्होंने स्टेशन में समावेशी कल्याण और मनोरंजक सुविधा निर्माण हेतु परियोजनाओं को शुरू करने के लिए डॉट ऑन टारगेट डिवीजन के सभी रैंकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। आर्मी कमांडर ने लगातार विकसित हो रहे आधुनिक युद्धक्षेत्र की चुनौतियों से पार पाने के लिए उच्च स्तर की ऑपरेशन तैयारी बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
विश्वसनीय समाचार पत्र

जो दिखेगा वही बिकेगा

जी हाँ, यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।

आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की जागरूक जनता के साथ

विज्ञापन | क्लासीफाइड | डिस्प्ले | प्रॉपर्टी | वैवाहिक

विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

समीक्षा बैठक, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का फोलोअप व समुचित उपचार प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश

प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की दिशा में पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ सरकार कार्य कर रही है-खींवसर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की दिशा में पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। राज्य स्तर से प्रत्येक मंगलवार को विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से साप्ताहिक बैठक लेकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, आशा कार्यक्रम, परिवार नियोजन सहित विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मिशन निदेशक ने प्रदेश में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व चार जांच सेवाएं उपलब्ध करवाने में परिवहन के लिए 104 जननी एक्सप्रेस के सदुपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का फॉलोअप करें ताकि उनका आगामी उपचार प्रबंधन समुचित हो सके। साथ ही, उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के तहत दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि का समय पर शत प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवनियुक्त चिकित्सा अधिकारियों को आगामी 15 दिवस में आवश्यक प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि एनीमिक महिलाओं के लिए फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज इंजेक्शन सेवाएं संचालित की जा रही हैं। नियमानुसार कम हीमोग्लोबिन वाली महिलाओं को यह इंजेक्शन लगाए जाएं।

मातृ मृत्यु के कारणों की समीक्षा आवश्यक

डॉ. यादव ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को कहा कि मेटरनल डेथ सर्विलांस एंड रेस्पांस के तहत गहन समीक्षा किया जाना आवश्यक है ताकि मातृ मृत्यु के कारणों का पता लगाया सके। इससे समय रहते उन कारणों का समुचित प्रबंधन कर भविष्य में होने वाली मृत्यु को रोका जा सकेगा।

आशा क्लेम फॉर्म सबमिशन की समीक्षा करें

मिशन निदेशक ने कहा कि प्रदेश में 54 हजार से अधिक आशा सहयोगिनी कार्यरत हैं जो गांव-ढाणी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी व मोबिलाइजेशन में एक महत्वपूर्ण कार्यकर्ता है। उन्होंने आशा द्वारा उनके किए गए कार्यों के आधार पर सबमिट किए जाने वाले मासिक क्लेम फॉर्म के सबमिशन की समीक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जो आशाएं अपने क्लेम फॉर्म सबमिट नहीं करती हैं या कार्य नहीं कर पा रही हैं, उनके लिए ब्लॉक या सेक्टर स्तर पर नियमत रूप से समीक्षा बैठक आयोजित करें। इसी से समग्र रूप में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सूचकांकों में सुधार परिलक्षित हो पाएगा। अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला ने गर्भवती महिलाओं का समय पर रजिस्ट्रेशन, गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच करवाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने प्रसव पूर्व चार जांच के डेटा को भी समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने आदिवासी इलाकों में संस्थागत प्रसव पर विशेष फोकस करने तथा संस्थागत प्रसव के मामले में कम प्रगति वाले वाले क्षेत्रों में अधिक प्रयास व सघन मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। बैठक में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, अतिरिक्त निदेशक राजपत्रित डॉ. सुशील परमार, संबंधित कार्यक्रमों के परियोजना निदेशक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। वीसी के माध्यम से संयुक्त निदेशक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, आरसीएचओ एवं संबंधित अधिकारीगण जुड़े।

पर्यावरण और कृषि समन्वय को लेकर ऐतिहासिक निर्णय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने मंगलवार को नई दिल्ली में भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों मंत्रियों के बीच प्रदूषण नियंत्रण, कृषि क्षेत्र में उपचारित जल (ट्रीटेड वॉटर) के उपयोग तथा अंतरङ्कमंत्रालयी समन्वय को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक के उपरांत पर्यावरण मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय प्रशासनिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष विक्रम सिंह तथा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव नरेश पाल गंगवार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए यह तय किया गया कि देश की लिक्विड डिस्चार्ज पॉलिसी के अंतर्गत 65 प्रतिशत उपचारित जल का उपयोग सिंचाई के लिए अनिवार्य रूप से किया जाएगा। यह दिशा-निर्देश नीति का अभिन्न अंग बनाया जाएगा, जिससे कृषि क्षेत्र को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

यह निर्णय पर्यावरणीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम पर्यावरण और कृषि के समन्वय को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक निर्णय सिद्ध होगा

पिंकसिटी प्रेस क्लब में फोटो जर्नलिज्म पर परिचर्चा, वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर केक कटिंग

जयपुर @ जागरूक जनता। पिंकसिटी प्रेस क्लब में मंगलवार को विश्व फोटोग्राफी दिवस पर फोटो जर्नलिज्म पर परिचर्चा की गई। केक काटकर विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया। प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं महासचिव मुकेश चौधरी ने सभी फोटोजर्नलिस्ट को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे की बधाई देकर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वरिष्ठ छायाकार हिमांशु व्यास एवं क्लब के पूर्व अध्यक्ष एल.एल.शर्मा सहित अनेक पत्रकारों एवं छायाकारों ने विश्व फोटाग्राफी दिवस पर अपने विचार सांझा किए। कार्यक्रम संयोजक दिनेश कुमार सैनी सह- संयोजक दीपक सैनी रहे। वरिष्ठ छायाकार हिमांशु व्यास ने बताया कि एआई के दौर में फोटोग्राफी के मूल स्वभाव की रक्षा और पोषण एक फोटोजर्नलिस्ट ही कर सकता है क्योकि फोटो पत्रकरिता में एआई से मनगढंत इमेजेज नहीं चलती है, जो सच है वही क्लिक होता और दिखाता है। इस दौरान फोटो जर्नलिज्म के समक्ष नई चुनौतियां पर चर्चा की गई। प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष विकास शर्मा ने कहा कि फोटो जर्नलिज्म पत्रकारिता की आत्मा है, इसे अलग नहीं किया जा सकता। प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने कहा कि लंबे समय बाद क्लब में जल्द ही डिजिटल लाइब्रेरी शुरू की जाएगी जिसका सभी फोटो पत्रकार साथियों को लाभ मिलेगा। फोटो जर्नलिस्ट सुरेन्द्र जैन पारस, भागीरथ, रवि शंकर व्यास, दिलीप सिंह, संतोष शर्मा, सुभाष भार्गव, प्रमोद शर्मा, सुनील शर्मा, अनिल शर्मा, विशाल भटनागर एवं हरि किशन झा, क्लब उपाध्यक्ष डॉ. मोनिका शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य ओमवीर भार्गव, उमंग माथुर, विकास आर्य वरिष्ठ पत्रकार बृहस्पति शर्मा, सत्य पारीक, लोकेन्द्र शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार उपस्थित थे।

भारत कभी गुलाम नहीं, राजनीतिक रूप से शासित हुआ - प्रो भालेराव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वतंत्रता दिवस, एक गौरवपूर्ण दिन है, जब हमने वर्षों की दासता के बाद स्वतंत्रता की सांस ली। यह दिन हमें याद दिलाता है उन असंख्य ज्ञात और अज्ञात बलिदानियों की, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें आज़ादी दिलाई। यह बात 79 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सभा को संबोधित करते हुए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने कही।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत का 79 वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्?यों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया । राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने प्रातः 9.00 बजे विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली।

प्रो भालेराव ने बताया कि भारत की आज़ादी केवल 1947 की घटना नहीं है, यह तो हजारों वर्षों से चल रहा एक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और राष्ट्रीय संघर्ष रहा है। हमारी स्वतंत्रता की लड़ाई केवल अंग्रेजों से नहीं थी, बल्कि हर उस शक्ति से थी, जो हमारी संस्कृति को मिटाना चाहती थी, हमारे मूल्य को मिटाना चाहती थी, और हमारे अस्तित्व को अस्तित्व को मिटाना चाहती थी। उन्होंने आगे बताया कि दुनिया में कई सभ्यताएं अपना अस्तित्व खो चुकी हैं, लेकिन भारत और इसकी संस्कृति अभी भी जीवित है। हमारी संस्कृति ही हमारी आत्मा है। भारत कभी गुलाम नहीं हुआ, केवल राजनीतिक रूप से शासित हुआ। विकसित भारत पर अपने विचार रखते हुए माननीय कुलपति ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत एक आत्मनिर्भर, सशक्त और तकनीक संपन्न राष्ट्र के रूप में उभरा है। डिजिटल इंडिया के माध्यम से गांव-गांव तक इंटरनेट पहुंचा है, यूपीआई ने दुनिया को भारत की तकनीकी क्षमता का प्रमाण दिया है। एक लाख से अधिक स्टार्टअप्स ने नवाचार की नई लहर पैदा की। अंत में कुलपति महोदय ने कहा कि आज हम सभी यह संकल्प लें कि हम भारत की संस्कृति, गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सदा समर्पित रहेंगे। हम न केवल भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाएँगे, बल्कि उसे फिर से विश्वगुरु के स्थान पर प्रतिष्ठित करेंगे। यही स्वतंत्रता दिवस का सच्चा उद्देश्य है। अंत में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अतिथियों को मिष्ठान वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जनसम्पर्क अधिकारी अनुराधा मित्तल ने किया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में कुलपति प्रो आनंद भालेराव ने विश्वविद्यालय के हर्बल गार्डन में कुलसचिव, वित्त अधिकारी, विभागाध्यक्ष, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया। जिसमे उन्होंने प्रति वर्ष एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने की बात कही। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विश्वविद्यालय में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमे सभी ने देशभक्ति के नारे लगाए और परिसर को देशभक्ति के रंगो से भर दिया। इस भव्य और दिव्य यात्रा में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आनंद भालेराव ने रैली का नेतृत्व किया जिसमें सभी ने बढ़ - चढ़कर भाग लिया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सुनी जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को सिविल लाइंस स्थित अपने निवास पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं। प्रदेशभर से आए सैकड़ों लोगों ने उनसे पेयजल, बिजली, राजस्व और अन्य व्यक्तिगत व सार्वजनिक मुद्दों से जुड़ी शिकायतें रखीं।

जनसुनवाई के दौरान दिया कुमारी ने हर एक शिकायत को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर मामले में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कुछ मामलों में तत्काल समाधान के निर्देश दिए, जबकि जटिल प्रकरणों को विभागीय स्तर पर भेजकर तय समयसीमा में निपटाने के लिए कहा। उपमुख्यमंत्री ने इस दौरान अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा, "हर शिकायत पर ठोस कदम उठाएं और यह सुनिश्चित करें कि जनता को बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें।" उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री हर सप्ताह सोमवार और मंगलवार को जनसुनवाई करती हैं, जिससे आमजन को सीधे उनसे संवाद कर अपनी समस्याएं रखने का अवसर मिलता है। यह प्रक्रिया जनता और सरकार के बीच सीधा पुल स्थापित करती है।

स्वतंत्रता दिवस पर मनोज दक्षता प्रमाण पत्र से सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर में आयोजित स्वतंत्रतास दिवस समारोह में हॉस्पिटल सुपरिडेंट डॉ सुशील भाटी दक्षता प्रमाण पत्र देकर हॉस्पिटल में कार्य करने वाले चिकित्सकों नर्सिंग ऑफिसर और अन्य स्टाफ को सम्मानित किया। इस अवसर पर सवाई माधोपुर निवासी मनोज मीणा पुत्र राधे श्याम मीणा ने 24 बार जरूरतमंद लोगों को अपनी स्व इच्छा से रक्तदान करने और कोविड महामारी हो या स्वाइन फ्लू का दोर या लावारिस लोगों की सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित करने के लिए आज समानित किया। मनोज ने इस अवसर अपने माता बादाम देवी पिता राधेश्याम मीना का विशेष आभार जताया कि उन्होंने ने मुझे नर्सिंग के पैसे में भेजा जिस से मुझे अपनी नोकरी के साथ जरूरत मंद की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ।

राज्य स्तरीय योगासन खेल को लेकर समिति गठित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर/जोधपुर। पीपाड़ शहर में आगामी 26 अगस्त से 28 अगस्त तक तीन दिवसीय भव्य योगासन खेल प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर पीपाड़ नगर की कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमे संरक्षक दुलीचंद सोनी, हरिशंकर भूतड़ा, नरपत राज पटेल,जगदीश देवड़ा, रामेश्वर भार्गव अध्यक्ष डॉ.भगवान राम परिहार, उपाध्यक्ष आदित्य कच्छवाहा, देवाराम जांगिड़, मदनलाल बागरा, सचिव रामस्वरूप टांक, कोषाध्यक्ष भोमसिंह सोलंकी, संगठन मंत्री केसाराम भाटी, मीडिया प्रभारी, मेहराम गहलोत महावीर राव, सदस्य पंकज लखारा, रवि दाधीच, महिपाल चोरड़िया, लक्ष्मण परिहार, मनीष जांगिड़, दिनेश टांक को मनोनीत किया गया, समिति के रघुवीर सोनी ने बताया कि पीपाड़ नगर के जैन मरीज गार्डन में पूरे राजस्थान के लगभग सभी जिलों से 500 से अधिक जूनियर व सब जूनियर योगासन खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बालक बालिका वर्ग आयेगा। इस आयोजन को लेकर पूरी व्यवस्था कर ली गई है। पतंजलि योग समिति के योग शिक्षक व योगासन खेल के संयोजक डॉ. भगवान राम परिहार ने बताया कि राजस्थान के सभी जिलों से योगासन खेल में गोल्ड मेडल जीत चुके सभी बालक बालिका इस राज्य स्तरीय योगासन खेल में भाग लेंगे।

पीपाड़ नगर में प्रतियोगिता पूर्ण पारदर्शिता से हो इसके लिए 100 से अधिक देश भर के रेफरी और जज आएंगे, जो खिलाड़ी इस प्रतियोगिता के विजेता रहेंगे वो आगे नेशनल योगासन खेल में भाग लेंगे। परिहार ने बताया कि आज योगासन खेल नेशनल के बाद खेलो इंडिया व ओलंपिक तक खेल का दर्ज मिला है। इस प्रतियोगिता के संरक्षक दुलीचंद सोनी ने सभी कार्यकर्ताओं को आवास,भोजन, व यातायात,अलग अलग जिम्मेदारी देकर भव्य कार्यक्रम हो इसको सभी को कार्यभार दिया, समिति के रामस्वरूप टांक ने बताया कि योग हमारे भारतीयों ऋषियों की अनमोल धरोहर है योगासन खेल के माध्यम से हर बालक बालिका में इसकी रुचि बढ़ेगी,और योग जन जन तक पहुंचेगा,योगाभ्यास से शरीर लचीला व स्वस्थ रहता है,और हर दिन के अभ्यास से व्यक्ति को शारीरिक ,मानसिक व आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। इस कार्यक्रम को लेकर समितियां बनाकर अलग अलग कार्य सोपा गया। समिति के कोषाध्य भोमसिंह सोलंकी ने बताया कि पीपाड़ नगर का सौभाग्य है कि योग के 500 से अधिक प्रतिभागी,100 से ज्यादा रेफरी जज व सभी बालक बालिका के साथ उनके अभिभावक भी पीपाड़ नगर में आएंगे,समिति के लक्ष्मण परिहार ने बताया कि पीपाड़ नगरी अब योग नगरी बनने जा रही है।

कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने वाली डॉ.अंजली परिहार ने बताया कि पीपाड़ शहर के इस भव्य आयोजन के लिए सभी संस्थान, भामाशाह, विभिन्न सामाजिक संगठन का विशेष सहयोग रहेगा,साथ,इस आयोजन में सभी के आवास के लिए स्वर्णकार समाज माहेश्वरी समाज, ओसवाल समाज भवन का विशेष सहयोग रहेगा।

समिति के योग शिक्षक नरेश टाक, लक्ष्मण परिहार, लक्षित पटेल, विनोद चौधरी, रितिका टाक, कोमल वैष्णव, प्रिंसिपल दिनेश परिहार, वरिष्ठ अध्यापक भवानी सिंह, रामस्वरूप टाक, सुरेंद्र चौधरी,मदन लाल बागरा व स्काउट गाइड के सभी बालक बालिका का विशेष सहयोग रहेगा।

21 वर्ग किलोमीटर के एनक्लोजर से 82 वर्ग किलोमीटर में मिली जगह

रणथंभौर की 'कनकटी' मुकुंदरा के जंगलों में किया शिफ्ट, जल्द बनेगी जोड़ी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। कनकटी अवनी बाघिन को एनक्लोजर से आजादी मिल गई। उसे 21 वर्ग किलोमीटर के एनक्लोजर से 82 वर्ग किलोमीटर के जंगल में छोड़ दिया गया। बाघिन एरोहेड की बेटी अवनी को करीब दो महीने पहले रणथंभौर से मुकुन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व की दरा रेंज में बने एनक्लोजर में छोड़ा गया था। मुकुन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर सुगना राम जाट, उपवन संरक्षक मुथु एस, क्षेत्रीय वन अधिकाकारी प्रद्युन सिंह, डॉ तेजेन्द्र रियाड व फील्ड बायोलॉजिस्ट रोहित शरण की मौजूदगी में बाघिन को हार्ड रिलीज किया गया।

जल्द बनेगी जोड़ी

विभाग के अनुसार बाघिन सब एडल्ट है इसकी जल्द जोड़ी बनाई जाएगी। जोड़ी बनाने के लिए अक्टूबर-नवबर तक रणथंभौर से बाघ को लाया जाएगा। वनविभाग की महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश से पांच बाघिनों को लाने की योजना है। इनमें से दो को मुकुन्दरा व तीन को रामगढ़ विषधारी में छोड़ा जाएगा, लेकिन इससे पहले रणथंभौर से एक बाघ को लाया जाएगा, ताकि बाघिन की जोड़ी बनाई जा सके। बाघिन कनकटी को जंगल में छोड़ने के बाद अब अभेड़ा से मुकुन्दरा में शिफ्ट की गई बाघिन को भी एनक्लोजर से रिहाई का इंतजार है।

24 घंटे हुई ट्रेकिंग

मुकुन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व का एनक्लोजर बाघिन को इतना रास आया कि उसकी आजादी के लिए दरवाजा खोलने के बावजूद वह बड़े एनक्लोजर में नहीं आई। वह छोटे घर में ही विचरण करती रही। करीब 5 घंटे के इंतजार के बाद अवनी ने जंगल में प्रवेश किया। आरµमक स्वभाव की बाघिन को जंगल में छोड़ने से पहले चारदीवारी की मरम्मत करवाई गई। क्षेत्र में बसे ग्रामीणों को जंगल की चारदीवारी के पास नहीं जाने की हिदायत दी गई। उपवन संरक्षक मुथु एस ने बताया कि बाघिन की 24 घंटे 3-3 के समूह में वाहन से ट्रेकिंग की गई।

पंचायतीराज और नगरीय निकाय उप चुनाव वाले क्षेत्रों में 48 घंटे के लिए शराब की बिक्री पर रोक लगायी

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार राज्य में 21 अगस्त को होने वाले पंचायतीराज और नगरीय निकाय उप चुनाव के लिये संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों तथा इनके 5 किमी परिधीय क्षेत्र में शराब की बिक्री, वितरण एवं प्रदायगी 19 अगस्त को शाम 5 बजे से 21 अगस्त, शाम 5 बजे तक पूर्णतया निषिद्ध कर दी गई है। राज्यपाल द्वारा यह आदेश जारी किया गया है।

कनिष्ठ विधि अधिकारी के पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण हेतु कनिष्ठ विधि अधिकारी के 12 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचनाऐं आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन 27 अगस्त से 25 सितंबर की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा तिथि व स्थान के संबंध में यथा समय सूचित कर दिया जाएगा।